



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 4 2

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 15, 1977 (आश्विन 23, 1899)

No. 42]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 15, 1977 (ASVINA 23, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग ॥।--खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च भ्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 15 मितम्बर 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रणा० 1—स्य लोक मेवा आयोग के सवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड 11) श्री एस० पी० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 31-8-1977 में 15-10-1977 तक की अवधि के लिए, ग्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णत. ग्रस्थायी और तदर्थ आधार में विष्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न च्प से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रव नाव मुखर्जी, ग्रवर सचिव (प्रशामन प्रभारी) सघ लोक सेवा ग्रायोग गृह मन्नालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 20 सितम्बर 1977

म० ए० 19036/6/77-प्रशासन-5—निवेशक, केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्बारा उडीसा पुलिस विभाग के प्रधिकारी श्री जे० एन० महापाल को दिनाक 2-9-77 के पूर्वोह्न से श्रगले श्रादेश दक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, भुवनेश्वर शाखा मे पुलिस उप-प्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनाक 22 सितम्बर 1977

स० ए० 35018/15/76-प्रशासन-I---पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एनद्द्वारा, श्री बरुण चन्द्र घोष, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बगाल पुलिस को

(4619)

दिनाक 6 श्रगस्त, 1977 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना की कलकत्ता शाखा में प्रतिनिधुक्ति पर ग्रस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करने हैं।

बी० पाल प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रिय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनाक 21 सितम्बर 1977

म० पी० सात-4/76-स्थापना-I—राष्ट्रपति, सूबेदार पूरना नन्द को उप-पुलिस श्रधीक्षक (कंपनी कमाङर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर श्रम्थाई रूप मे श्रगले श्रादेश जारी होने तक पदोन्नत करने हैं।

2. उन्होने ग्रपने पद का कार्यभार 7 वाहिनी में 19-6-1977 (पूर्वाह्म) से सभाल लिया है।

दिनाक 22 सितम्बर 1977

सं० श्रो० दो० 45/77-स्था०—राष्ट्रपति श्री एन स्वैन, उड़ीसा सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल म प्रतिनियुक्ति पर, महानिरीक्षक के पद पर दिनांक 2-9-1977 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश जारी होने तक सामान्य शर्ती पर जो कि भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारियों को सक्षम पद पर लागू होनी है, नियुक्त करते हैं।

दिनाक सितम्बर 1977 मुद्धिपत्न

सं० डी० एक-2/75-स्थापना—श्री श्रोमपाल सिंह की प्रपत्न पदोन्नति की तिथि सूबेदार में उप-पुलिस श्रधीक्षक के पद पर इस महानिदेणालय के सम सख्या श्रधिसूचना दिनाक 30/31-5-1977 में प्रकाणित "15-3-75" के स्थान पर "15-3-75 (अपराह्म)" पढी जाए।

एम० पी० सिह् सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 26 सितम्बर 1977

सं० ग्रो० दो 256/70-स्थापना—श्री जी० एस० रातुरी, उप-पुलिस ग्रधीक्षक, के० रि० पु० दल की सेवाए 28-7-76 (ग्रपराह्म) से ग्राई० टी० बी० पी० को निर्वातन की जाती है।

स० ग्रो० दो०-666/71-स्थापना—श्री फैमाज ग्रहमद, उप-पुलिस प्रधीक्षक, 50वी वाहिनी, के० रि० पु० दल की सेवाए 6-9-1977 (ग्रपराह्म) से उत्तर प्रदेण सरकार को निवर्तित की जाती है।

दिनाक 27 सितम्बर 1977

स० ग्रो० Il-1019/75-स्थापना—-राष्ट्रपति ने किनिष्ट चिकित्सा श्रिधिकारी एम० डी० मुलेमान, 30 बटालियन केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस दल, का त्याग पत्न दिनाक 10-8-1977 श्रपराक्ष में स्वीकृत कर लिया।

दिनाक 28 सितम्बर 1977

स० श्रो० दो-1027/75-स्थापना—विरिष्ट चिकित्सा श्रिधकारी सी० एम० भान, बेस होस्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली की सेवाएँ 12-9-1977 (श्रपराह्म) से स्वास्थ्य श्रौर परिवार कल्याण मल्रालय नई दिल्ली को निवर्तित की जाती है।

स० श्रो० II-1/76-स्था०—श्री एच० श्रार० के० तलवार, भारतीय पुलिस सेवा श्रिधिकारी (हरियाणा-1948), पुलिस महानिरीक्षक सेक्टर 3, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (छुट्टी पर है) की, उनके पुलिस महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा दल शिलाग सेक्टर के पद पर नियुक्ति होने पर के फल-स्वरूप सेवाएं सीमा मुरक्षा दल मे दिनाक 1-9-1977 (पूर्वाह्म) मे स्थानातरित समझी जाए।

ए० के० बन्द्योपाध्याय महायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सूरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनाक 17 सितम्बर 1977

सं० ई०-17017/3/77-सा० प्रशा० II—राष्ट्रपति, के० औ० सु० ब० अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 1 की शतों के अनुसार सर्वश्री के० के० कालिया और खुशवन्न सिंह, नेशनल फर्टीलाइजरम लिमिटेड को, 30-8-1977 से अगले आदेश तक कमशः के० औ० सु० ब० नेशनल फर्टिलाइजरम लिमिटेड भटिडा और पानीपत मे पदेन सहायक कमाडेट (ग्राग्निशमन) नियुक्त करते हैं।

ली० सि० बिष्ट महानिरीक्षक

भरतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनाक 24 मितम्बर 1977

मं० प्र० 1/2(I) / 2564—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री एस० प्रार० भाटिया, प्रनुभाग ग्रिधिकारी (लेखा एव लेखापरीक्षा) की 29-8-77 पूर्वाह्न से 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रु० के वेतनमान में ग्रगले श्रादेशों तक श्रनन्तिम श्राधार पर ग्रस्थायी लेखा ग्रिधिकारी के रूप में पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली ने श्री एच० मी० जैन को भी भारत सरकार, विस्त मलालय (ग्रर्थ विभाग) में श्रनुभाग ग्रिधकारी (ग्रपवर्णित) के पद पर क० 840—1200 के वेतनमान में रहते हुये उनके ग्रपने कार्यालय में 29-8-1977 (पूर्वाल्ल) से एन० बी० ग्रार० के श्रतर्गत श्रगले ग्रादेशों के जारी होने तक श्रमन्तिम श्राधार पर स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी के रूप में महर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० एस० मान उप महालेखाकार (प्र०)

मंडालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बगलौर, दिनाक 31 ग्रगस्त 1977 कार्यालय ग्रादेश

म० इ० एस० 1/ए० 4/77-78/464—महालेखाकार निम्निलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियो को, उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकृत प्रभाव डाले, अगले आदेण जारी होने तक, स्थापन्न लेखा अधिकारी के पद में उस पद का कार्याभार ग्रहण करने के दिनाक से नियुक्त करने हैं ——

- (1) श्री बी० नटराजन
- (2) श्री श्रार० बृष्णस्वामी
- (3) श्री जी० बी० श्रीतिवास राव

2 श्री एम० एस० नागराजा, श्रनुभागी श्रधिकारी श्रव कर्नाटक अश्र श्रीर मिविल समद विभाग वैगलोर में विदेशी मेवा कर रहे हैं। उन्हें उनके श्रवर के कार्याभार ग्रहण करने के दिनाक से प्रोफार्मा प्रवर्तन, लेखा श्रधि-कारी के पद पर पदोन्नति दी गई है।

> गम् ० ए० सौन्दरराजन् विरष्ठ उप महा लेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार, गुजरात

श्रहमदाबाद, दिनाक 23 सितम्बर 1977

स०इस्ट (ए)/जी० भ्रो०/2506---महालेखाकार गुजरात के ग्राधीन लेखा-सेवा के स्थायी मदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाये दिनाक में ग्रगला भ्रादेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- (1) श्री एम० श्रार० गोपाल राष 3-9-1977 पूर्वाह्न मे
- (2) श्री के० एस० शाह् 17-9-1977 पूर्वाह्न से

के० पी० लक्षमण राव उप महालेखाकार (प्रशासन) रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्नक नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 मिनम्बर 1977

स० 18402/प्रशा०-II--भारतीय प्रशासन सेवा में नियुक्ति के लिए चयन हो जाने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन श्री गुरुनरकर सुधीर को दिनांक 11-7-77 (श्रपराह्म) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

> वी० एस० भीर रक्षा लेखा श्रपर महा नियन्नक (प्रणासन)

वाणिज्य मन्नालय

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनाक 26 मितम्बर 1977

संवर्षक एस० टी॰ I-2 (305)—वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय, बम्बर्षके उप-निदेशक श्री जितेन्द्रनाथ मुखर्जी सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 ग्रगस्त 1977 के ग्रपराह्म में सेवा निवृत्त हो गए।

> एम० सी० मुवर्णा, ग्रापर वस्त्र ग्रायुक्त

बम्बई 20, दिनाक 20 सितम्बर 1977

म० ई० एम० टी० J--2 (684)--ग्रपर वस्त्र भ्रायुक्त भ्रपने बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के प्रवर्तन निरीक्षक (नान-टेक्नीकल) श्रीमती उमा गगाधर मुटभाटकर को 2 जून 1977 के पूर्वाह्न में भ्रन्य भ्रादेश होने तक उसी कार्यालय में सहायक श्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जो० च० हॉसदाक उप निदेशक

उद्योग मत्नालय श्रौद्योगिक विकास प्रभाग कार्यालय, विकास श्रायुक्त लघु उद्योग नई दिल्ली, दिनाक 1 मितम्बर 1977

सं० 12/540/66-प्रशासन (राजपत्नित)—सी० सी० राय को राष्ट्रपति दिनांक 21 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) नियुक्त करते हैं। 2 परिणामस्वरूप श्री सी० सी० राय ने 21 जुलाई, 1977 पूर्वाद्ध में विकास आयुक्त लघु उद्योग के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का कार्यभार सीप दिया ग्रीर उसी कार्यालय में 21 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्म से ही सहायक निदेशक (ग्रेड-I का कार्यभार सभाल लिया।

> वी० 'वेकरायुलु उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा नियाटान महानिदेशालय (प्रणासन शाखा–8)

नर्ड दिल्ली, दिनाक 23 मितम्बर 1977

सं प्र-1/1 (1103)/77—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्द्वारा निरोक्षण निदेशक (धानु) जमणेदपुर के कायनिय में अश्रीक्षक (अश्रीक्षण स्तर-II) श्री जीव नन्दगा को दिनाक 12 सिनम्बर, 1977 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निर्मटान महानिदेशालय, नई दिल्लों में सहायक निदेगा। (ग्रेष्ड-II) के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापम स्था से नियुक्त करते हैं।

दिनाक 24 सितम्बर 1977

मं० प्र०-1/1 (1058) — पथ लोक सेवा आयोग की किर्मारणों पर महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान एतद्शारा जिल्लानिवा अधिकारियों का दिनाक 12 सितम्बर, 1977 के पूर्विद्धा में आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में सहायक (०००० (प्रेड-११) (प्रिणिक्षण गारक्षी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

- 1 श्री एम० एल० भ्रार० रामहृष्णन
- 2 श्री एस० चट्टोपाध्याय
- 3, श्री डी० के० त्यागी
- 4 श्री के० हनुमथण्पा
- 5. श्री डी० एस० एन० मुर्थी
- 6. श्री एस० गणपथी
- 7. श्रो गारु बी० यादव

कीरत सिह, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात स्त्रीर खान मंत्रालय खान विभाग भाग्तीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाक सिन∓बर 1977

स० ए-19011 (132)/72-स्था० ए०---राष्ट्रपति, श्री यू० के० झा कनिष्ठ खनन भृषिज्ञानिक, भारतीय खान ब्यूरो को दिनाक 27 ग्रगस्त 1977 के श्रपराह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न विष्ट खनन भू-विज्ञानिक के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करने हैं।

दिनाक, 22 सितम्बर 1977

स० ए-19011 (211)/76-स्थापना-ए---राष्ट्रपति, श्री जे० सोमखा, को 30 श्रगस्त, 1977 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियन्नक के पद पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनाक 23 सितम्बर 1977

सं० ए-19011(32)70-स्था० ए०---डा० ए० एम० हुमैन, खनिज प्रर्थशास्त्री को दिनाक 27 ग्रगस्त 1977 के ग्रपराह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में र० 1500-60-1800-100-2000 के वेतन में श्राधीक्षक खनिज श्रर्थशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती हैं।

म० ए-19011(33)70-स्था० ए०--श्री श्रार० के० सिन्हा खनिज अर्थशास्त्री को दिनाक 29 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेण होने तक भारतीय खान ब्यूरो में २० 1500-60-1800-100-2000 के बेतन में अधीक्षक खनिज अर्थणास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

> एल० सी० रणधीर, कार्यालय भ्रष्टयक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनाक 21 सितम्बर 1977

म० सी० 5275/707—-निम्नालिखित ग्राधिकारियो को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 क० के बेतन मान में, प्रत्येक के नामने दी गई तारीखों से, ग्राधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

नाम तथा पद	 यूनिट/कार्यालय	से से	ग्रभियुक्ति
श्री के० एम० ग्रनन्थानारायनन, इाक्टममैन डिवीजन-I मलेक्शन ग्रेड	म० 4 श्रारेखण कार्या- लय (द० म०) बैगलूर।	 29 जून 1977 (पूर्वाह्म)	इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना स० सी- 5252/707 दि० 18 जुलाई, 1977 के ग्रन्तर्गत तारीख 9-6-77 से तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त ।
 श्री खुणाल मणि कुकरेती, सर्वे ग्रिसिस्टेन्ट सलेक्शन ग्रेड 	पश्चिमी मर्किल कार्या- लय, जयपुर ।	19 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न)	·

(1) (2)	(3)		(4)	(5)
3. श्री पान सिंह विष्ट,	स० ९ म्रारेखण कार्या-	9 श्रगस्त 1	977	
ड्राफ्टसमैन डिबीजन- <u>1</u>	लय (पश्चिमी स०)	(पूर्वा ह्न)		
सलेक्शन ग्रेड	चण्डीगढ			

के० एल० खोमला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनाक 17 सितम्बर 1977

स० एफ० 15-3/75-ए-1—इस विभाग के प्रावेण स० एफ० 15-3/75ए-1, दिनाक 30-11-76 का प्रधिक्रमण करते हुए श्री कबीर कौसर, स्थायी महा-प्रभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 (प्राण्या ग्रभिलेखा) श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न ग्रभिलेखाधिकारी (प्राप्या ग्रभिलेखा) को नियमित श्रस्थायी श्राधार पर दिनाक 21-10-76 मे श्रागामी श्रादेणों तक ग्रभिलेखाधिकारी (प्राण्य श्रभिलेखा) नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 23 सितम्बर 1977

म० 11-12/77-ए-1--श्री जें० पी० भट्टाचार्य, फोरमैंन में केतिक को 12-9-77 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी श्रादेशों तक बिल्कुल तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक इजीनियर (श्रेणी 2 राजपिवत) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्त नियमित नियुक्त के लिये किसी प्रकार का दावा नहीं करने देगी ग्रीर ग्रन्य उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के लिये ग्रहिता सबधी विष्ठता के उद्देश्य के लिये भी नहीं गिनी जायेगी।

ह०/– ग्रपठनीय श्रभिलेख निदेणक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 21 सितम्बर 1977

स० 2/43/60-एम-दो—महानिदेशक श्राकाशवाणी, श्री ही ० के ० मित्तर, प्रशासन ग्रिधिकारी, विदेश प्रसारण प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली 5-8-77 (ग्रपराह्म) से अगले श्रादेशो तक, समाचार सेवा प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली में, स्थानापन्न रूप में, प्रशासन श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

एस० बी० मेषादी, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नर्षु दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर 1977

म ० 10/83/77-एस-3—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, श्री ए० एक्स० थामस को, दिनाक 30-6-77 में उपग्रह दूरदर्शन

केन्द्र, नई दिल्ली पर, सहायक इजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में, नियुक्त करते हैं।

> हरजीत मिह, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाक 24 मितम्बर 1977

स० 4/83/77-एस-1—महानिदेणक, श्राकाभवाणी, एतद् हारा श्री बलदेव सिंह कालसी को, ग्राकाभवाणी जलधर मे, 24 जुन, 1977 (ग्रपराह्म) से, श्रगले श्रादेशो तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, श्रम्थायी रूप मे, नियुक्त करने हैं।

म० 4(92)/77-एस०-1--महानिदेशक, द्याकाशवाणी, एनद्द्वारा श्री डी० चन्द्रन को, ग्राकाशवाणी, तिरुचिरापत्ली में 31 ग्रगस्त, 1977 से, श्रगले ग्रादेशो तक, कार्यत्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

> नन्द किणोर भारद्वाज प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 2 मितम्बर 1977

स० ए० 12023/26/76 (के०स्वार्णाण ब्य्रो) प्रणासन-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० डी० चन्दोला को
19 ग्रगस्त, 1977 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशो तक केन्द्रीय
स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे
स्वास्थ्य शिक्षा ग्रधिकारी (क्षेद्रीय ग्रध्ययन प्रदर्शन केन्द्र)
के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1977

म० ए० 31013/3/77 (एच० क्यू०) प्रणासन-1—-राष्ट्रपति ने डा० एम० एम० गोठोस्कर को 1 नवम्बर, 1976 मे श्रीपधि नियन्त्रक (भारत), स्वास्थ्य मेवा महा-निदेशालय, नई दिल्ली के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनाक 26 सितम्बर 1977

म० ए० 31013/1/77 (एच० क्यू०) प्रशासन-1-राष्ट्रपति ने श्री मी० डबराल को 26 मई,1977 से स्वास्थ्य मेवा
महानिदेणालय मे श्रपर उप महायक निदेणक (पुस्तकालय)
के स्थायी पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।
सूरज प्रकाण जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 22 सितम्बर 1977

स० 9-40/75-के० स० स्वा० यो०-J—-डा० (कुमारी) श्रमर बीर ने 10 श्रगस्त, 1977 श्रपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से होस्योपेथिक कार्य-चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एम० भाटिया उप निदेशक प्रशासन

दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर 1977

म० ए० 24012/23/77 के० स्वा० से०-3-पी० एच० (ब्राई०एच०)---श्रपना नवादला हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० श्रो० ग्रेड 1 के एक श्रिधकारी डा० एम० एम० चक्रवर्ती ने 3 श्रगस्स, 1977 श्रपराह्म से पत्तन स्वास्थ्य मगठन, कलकत्ता से उप पत्तन स्वास्थ्य श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड दिया है श्रीर श्रगस्त, 1977 श्रपराह्म से हवाई पत्तन स्वास्थ्य सगठन, दमदम में हवाई पत्तन स्वास्थ्य श्रिधकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

श्रो० पी० बाली उपनिदेशक प्रशासन

भारतीय डाक तार विभाग मद्रास, दिनाक सितम्बर 1977

स्राप्त एस०टी०/डी० ई०-5/XVI/—महा प्रवधक, मद्रास् टेलीफोन जिला, निम्नलिखित सहायक इजीनियरों को, उनके नाम के श्रामे उल्लिखित श्रवधि के लिए, स्थानीय प्रवध के रूप में, स्थानापन्न मडल इजीनियर नियुक्त करते हैं.--

8		
कु० नाम	पदोन्नति की	*1
सं०	तारीख	परावर्तन
		की तारीख
 सर्वश्री		
1. भ्रार० वैद्यनाथन	23-5-77	15-6-77
	(पू॰)	(d o)
2. एच०एस०ऍयर	27-6-77	
	(पू॰)	
3 एस० एस० विश्वनाथन	20-6-77	20-8-77
	(पू०)	(ऋ०)
4 जी० मुब्रमण्यन	2 -7-77	
Š	(पू०)	

मद्रास-600001, दिनाक 24 सितम्बर 1977

स० ए.०ए.स० टी०/डी०ई० 5/XVI— निम्नलिखित कनिष्ठ इजीनियर, जो स्थानीय प्रवध के रूप मे मद्रास टेलीफोन जिले मे स्थानापन्न सहायक उजीनियर के पद पर काम कर रहे है, श्रपने नाम के श्रागे उल्लिखित तारीख से श्रपने पूर्व पद पर प्रार्वातन किए जाते हैं:—

% म०	नाम	पूर्व पद पर परावर्तन की तारीख
	 मर्वश्री	
1	वी० रघुनाथन	1 7- 5- 7 7 पूर्वाह्न
2	के० सुरेन्द्रन	24-6-77 अपराह्म
3	वी० दडपानी	6-6-77 पूर्वाह्न
4	एस० श्रम्लानदम	25-5-77 श्रपराह्न
5	एम० सोर्नपलम	31-5-77 भ्रपराह्न
6	बी० सुर्यनारायना	31-5-77 अपराह्म
7	टी० के० सुन्दरम्[प्त	30-5-77 पूर्वाह्न
8	के० वेगटरामन	20-6-77 पूर्वा ह्न
9.	बी० एस० नागराजन	20-6-77 पूर्वाह्न
10	डी० तिम् व ट्टीक्वरन	1 8- 6- 7 7 पूर्वाह्न
11	श्रार० वल्लबेग्वरड्	7-6-77 पूर्वाह्न
1 2.	एम० रामचन्द्रन	18-6-77 भ्रपराह्न

म० ए० एस० टी०/ए० ई० 5/XXIV—महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन जिला, निम्नलिखित कनिष्ठ इजीनियरो को, उनके नाम के श्रागे उल्लिखित श्रवधि के लिए, स्थानीय प्रवध के रूप मे, स्थानापन्न सहायक इजीनियर नियुवत करते हैं:—

ऋ० स०	नाम	पदोन्नति की नारीख	पूर्व पद पर परावर्नन की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
 सद	 iथी		
	न०बी० वरदराजुलुचेट्टी	23-5-77	15-6-77
		पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
2. 羽	_{रि०} श्रीनिवासाचारी	29-6-77	
3. के	० सेतुगनेशन	27-6-77	12-8-77
	-	पूर्वाह्र	ग्रपराह्न
4 एर	प्त० राजगोपालन	25-6-77	20-8-77
		पूर्वाह्न	प्र पराह्म
5 ए	म ० विश्वना थन	29-6-77	
		पूर्वाह्न	
6. वी	० सुन्नमण्यन	27-6-77	6-8-77
		पूर्वाह्न	ग्रपराह्म
7- ए	म० एस० म्रब्दुल बागीर	27-6-77	
		पूर्वाह्न	

1 2	3	4
8 एम० राजगोपालन	_ 22-8-77 पूर्वाह्न	
9 के०सेतुगनेशन	1 6- 8- 7 7 पूर्वाह्म	
10. वी सुब्रमण्यन	1 6-8-77 पूर्वाह्म	
11. श्रोम बानुमूर्ति	2 2- 8- 7 7 पूर्वाह्न	_ _
12 के० के० पविस्नन	31-8-77 पूर्वाह्न	
13 भ्रार० मंपत	12-9-77 पूर्वाह्न	
14. के० जी० सुन्दरेमन	1 2-9-77	
15 बी० एस० रामस्वामी	19-9-77	

स० ए० एस० टी०/डी० ई०-5/XVI——निम्नलिखित महायक इजीनियर, जो स्थानीय प्रबंध के रूप मे मद्रास टेलीकोन जिले मे, स्थानापन्न मंडल इजीनियर के पद पर काम कर रहे हैं, ग्रंपने नाम के श्रागे उल्लिखित तारीख से श्रपने पूर्व पद पर परावर्तित किए जाते हैं —

ऋ०स० नाम	पूर्व पद पर परावर्तन की तारीख
 सर्वश्री	
1. पी० सीतारामन	7-7-77 पूर्वाह्न
2. जी० सुझमण्यन	25-6-77 श्र पराह्न
3 एच० एम० रोयर	30-5-77 पूर्वाह्य
4. एस० एस० विष्वनाथन	19-6-77 ग्रपराह्न
	ह० श्रपठनीय
	महायक महाप्रबधक
	(प्रशासन)
	महाप्रवधक के लिए

कृषि एव सिचाई मन्नालय (ग्राम विकास विभाग) विषणत एव निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनाक 21 मिनम्बर 1977

स० फाईल 4-5(2)/74-प्र०-III—खाद्य विभाग के प्रधीन भारतीय ग्रन्त सग्रह स्थान, हापुड में कृषि विषणन ग्रर्थणास्त्री के पद पर चयन होने के उपरान्त कपास वर्गीकरण केन्द्र, सूरत में विषणन ग्रिधकारी, श्री एम० के० विश्वाम ने दिनाक 5 सितम्बर, 1977 के ग्रपराह्म में इस निदेणालय के ग्रधीन ग्रपने पद का कार्यभार छोड दिया है।

बी० पी० चावला. निदेशक, प्रशासन. फ्रोने कृषि विपणन सलाहकार परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एव भडार निदेशालय

मुम्बई- $400\,001$, दिनाक 12 सितम्बर 1977

मं० डी० पी० एम०/23/4/77-म्था०/23097—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋषए से भड़ार निदेशालय के निदेशक डम निदेशालय के प्रस्थायी ऋष महायक श्री चिनकुर्ली कन्ठेया शिवाराम् को 8 श्रगस्त, 1977 में 23 सितम्बर, 1977 तक की अविधि के लिए उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810—दं० रो०—35-880-40-1000—दं० रो०—40-1200 रुपये के वैतनमान में महायक ऋष श्रीधकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त महायक ऋष श्रीधकारी श्री बी० एल० ठाकुर के स्थान पर की जा रही हैं जिन्हें ऋष श्रीधकारी नियुक्त किया गया है।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्सिक ग्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना-401504, दिनाक ७ मितम्बर 1977

स० टी० ए० पी० एस० | 2 | 551 | 67 — वैज्ञानिक प्रधिकारी इजीनियर 'एस बी' श्री डी० नारायण को, उनका त्यागपव स्वीकार कर लिया जाने पर तारापुर परमाणु बिजलीधर में 25 फरवरी, 1977 के श्रपराह्न से उनके पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

डी० वी० मारकाले. मुख्य प्रशासन श्रधिकारी

पर्यटन ग्रौर नागर विमानन मत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनाक

सितम्बर 1977

मं० ए० 32014/2/74-ई०(1)—विधणालाखा, के महा-निदेशक, नई दिल्ली, निम्नलिखित व्यावसायिक महायको को दिनाक 1 श्रास्त, 1977 से श्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं —

— ऋ ० सं०	नाम	कार्यालय जिसमे नियुक्ति हुई
1	2	3
1	. श्री ग्रा ^र ०सी० दुवे	निदेशक (फ़ृषि मौसम विज्ञानी), पुणे ।
2	श्री भवानी दत्त	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अन्तर्गत मौसम विज्ञान केन्द्र, श्रीनगर ।
	श्री एस० फ्रा ^उ ० विश्वास श्रीटी० एम० साम्बा-	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
_	मूर्ति	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई।

1	2	3
5	श्री एस० ग्रा ^ए ० शेपादि	प्रादेशिक मीसम <i>केन्द्र,</i> मद्रास ।
6.	श्री बी० गोपीनाथ राव	वेधणालाश्रो के उपमहानिदेशक, (जलवायु), पुणे ।
7	श्रीराजेन्द्र कुमार मदान	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली।
8	श्री बी० बी० राय	प्रादेशिक मीसम केन्द्र, कलकत्ता के प्रन्तर्गत मीसम विज्ञान केन्द्र, गीहाटी ।
9	श्रो बी० साकरिया	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर ।
10.	श्री एस० के० दास	प्रादेशिक मौसम केन्द्रः नई दिल्ली।
11	श्री भ्रणीण घोष	प्रादेणिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
12	श्री ए० के० बनर्जी	प्रादेणिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
13.	श्री एन० बी० घोष	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
14	श्री एस ः के ० बासु-II	प्रादेशिक मौसम कन्द्र, कलकत्ता ।
15	श्रीपी० के० ई० राजा	वेधणालाग्रो के उपमहानिदेशक, (पूर्वानुमान), पुणे ।
16.	श्री एन० वी० परमेण्यर	वेधमालायों के उपमहानिदेशक, (जलवायु), पुणे।

2. वे भ्रत्पकालीन भ्राधार पर पहले में ही स्थानापन्त महायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

दिनांक 21 मितम्बर 1977

स० ई० (1) 06560— नेधणालाग्री के महानिदेणक, वेधणालाग्री के महानिदेणक, के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसीयिक महायक श्री एच० सी० मेहरा को 3 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 30-11-77 तक 89 दिन की ग्रवधि के लिए स्थाना-पन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मेहरा स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी वेधशालाश्रो के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

दिनाक 22 सितम्बर, 1977

स० ई० (I) 05826—विधगालाओं के महानिदेशक, वेधगालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ध्याव-सायिक महायक श्री एम० एल० काला को 3 मितम्बर, 1977 में 30 नवम्बर, 1977 तक 89 दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री काला, स्थानापन्त सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाश्रो के सहानिदेशक के मुख्य कार्यीययल, नई दिल्ली में ही नैनान रहेंगे।

दिनाक 24 सितम्बर 1977

म० ई० (I) 07284—विधमालाग्रो के महानिदेणक, वेधगालाग्रों के महानिदेणक के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में व्यावसायिक सहायक डा० बी० भार० भरोडा को 3 भगस्त, 1977 से 31 प्रगस्त, 1977 तक 29 दिन की प्रविध के लिए स्थानापन सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियक्त करते हैं।

डा० श्ररोडा, स्थानापन्त महायक मौसम विज्ञानी वेश्वशालाक्षी के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनान रहेगे ।

दिनाक 27 सितम्बर, 1977

स० ई० (I) 04393——बेधणालाओं के महानिदेणक, वेधणालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में स्थाना-पन्ने ग्रंधीक्षक, श्री के० मी० सुबैय्या को 17 मितम्बर, 1977 से 14 दिसम्बर, 1977 तक नवासी दिन की ग्रंबधि के लिए स्थाना-पन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करने हैं।

श्री मुबैय्या, स्थानापन्त सहायक मौसम विज्ञानी वेधणालास्रो के महानिदेणक के कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे ।

म० ई० (I) 05539—विध्रणालाओं के महानिदेशक, नर्ड दिल्ली, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक महायक श्री जे० यू० हिन्गोरानी को 8 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्म में 5 दिसम्बर, 1977 नक नवासी दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री हिन्गोरानी, स्थानापन्त महायक मौमम विज्ञानी वेधणा-लाघो के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली मे ही तैनात रहेंगे ।

> एम० श्रार० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी, इते वेधशालात्रों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्याक्षय नई दिल्ली, दिनाक 19 सितम्बर 1977

म० ए०-32013/6/77-ई०-I—-राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गणेशन, निदेशक, श्रनुसधान भ्रौर विकास को 15 जून, 1977 की श्रिधसूचना 'संख्या ए०-32013/6/77-ई-1 के कम में 17 जुलाई. 1977 से 6 सितम्बर, 1977 तक की श्रौर श्रमधि के क्षिए श्री ए० के० सरकार, उपमहानिदेशक नागर विमानन के श्रेड में नियुक्ति किया है।

श्चात्मा राम गोयला, निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1977

स० ए०-12025/5/75-ई० डब्ल्यू०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० चट्टोपाध्याय को 28 मई, 1977 (पूर्वाह्म) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1000-द०रो०-1200 के बेनन-मान में महायक अग्नि शमन प्रधिकारी के पद पर नियुक्त विया है। श्री ए० चट्टोपाध्याय को अग्नि शमन प्रशिक्षण केन्द्र, वलकत्ता में तैनात किया गया है।

स० ए०-32013/8/76-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री डी०षडमुखम, सहायक श्रीनगमन श्रीधकारीको 22 जुलाई, 1977 (श्रपराह्म) से श्रन्य श्रादेश होने तक कायर सर्विस ट्रेनिंग सेटर, कलकत्ता में श्रीन शमन श्रीधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनाक 22 सितम्बर 1977

स० ए० 12025/8/75-ई० मी०- - राष्ट्रपति ने श्री कन्हैया लाल को 13 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्म से अन्य आधेश होने तक नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार सगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

> बी० वी० जौहरी सहायक निवेशक प्रशासन

वन धनुसंधान संस्थान एव महाविद्यालय देहरादुन्न, दिनाक 23 सितस्थर 1977

स० 16/262/77-स्थापना-1 (.)--प्रध्यक्ष वन ग्रनु-संधान संस्थान एव महाविद्यालय, देहरादून, श्री राम विजय प्रसाद को दिनाक 7 मितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से सहर्ष वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में पुस्तकाध्यक्ष नियुक्त करते हैं।

> पी० धार० के० भटनागर कुल सिचव वन ध्रनुसधान सस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ताका कार्यालय

मद्रास-34, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० सी० II/3/22/77-संस्थापन--केन्द्रीय उत्पादन-मुस्क ममाहर्तालय, मद्रास, के निम्निखित निरीक्षको को, भगला धादेण होने तक, स्थानापन्न प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन-मुल्क, समूह 'ख' के रूप में नियुक्त किया गया है और प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी तारीख से भीर स्थान पर तैनात किया गया है---

क स		स्थान, जहां पर श्रधीक्षक समृह 'ख' के रूप में तैनात किया गया है	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4
	श्रीजी० मुक्कह्मण्यम् श्रीसी० ई०	प्रधान कार्यालय, मद्रास	10-2-77
_	सुब्रह् मण्यम्	मद्रास-III प्रभाग,	10-2-77
3	श्री एम० जे० हैंडन्	थिरु बन्नमलाई, ब० ग्र० रेंज, नेल्लोर प्रभाग ।	14-4-77

1	2	3	4
4	श्रीए०एम०		
	ভী০ ['] ক্যুজ	गुदियाथम् (नियारक) वेल्लोर प्रभाग ।	18-4-77
5	श्री के० ग्रार०		
	गोपालन् नायर	गुडालूर ब० ग्र० रेज, कुनूर प्रभाग ।	14-4-77
6.	श्री ए० के०		
	सुब्रह्मण्यम्	तिरुचिगोड ब० ग्न०, रेज, सलेम प्रभाग।	7-4-77
7	श्री जी० रगराजन्	सुलुर ब० भ० रेंज, कोयम्बतूर-II प्रभाग।	30-3-77
8.	श्री पी० षणमुख-		
	सुन्दरम्	गुदियाथम् ब॰ ध्र॰, रेज-II वैल्लोर प्रभाग	14-4-77
9.	श्री के० ग्रच्युत मेनन	भ वा नी ब० घ्र० रेज, ईरोड प्रभाग ।	27-6-77

म्राई० जे० राष समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नईविस्ती,दिनांक 22 सितम्बर 1977

सं012/77—श्री एस० आर्० पै० ने जो पहले केन्द्रीय उत्पास गुल्क समाहतिलय बम्बई में केन्द्रीय उत्पादन गुल्क स्रधीक्षक ग्रुप 'ख' के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनाक 5 मितम्बर, 1977 के (पूर्वाह्न से) निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा गुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद गुल्क) के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण स्रधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उन्पाद गुल्क) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार संभास लिया है।

> सु० वेंकटरामन् निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1977

सं० ए०-19012/8/77-प्रशासन-पांच— प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री गौतम नाग चौधरी, श्रिभकत्प सहायक को केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक की हैसियत से ६० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 30 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रावेश तक एतद् द्यारा पूर्णतः श्रस्थायी श्रौर तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री गौतम नाग चौधरी ने 30/7/77 पूर्वाह्म से केन्द्रीय जल धायोग में श्रितिकित सहायक निदेणक के पद पर का कार्य-भार सभाल लिया है।

दिनाक 22 मितम्बर 1977

स० ए०-19012/20/77-प्रणा०-पाच--- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री छी० एन० सचदेव, मुख्य प्राष्ट्रपकार को केन्द्रीय जल श्रायोग में क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के नेतनमान में अतिरिवत सहायक निदेशक/महायक श्रीभयता की है सियत में 5 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्र से श्राप्ते ग्रादेश तक पूर्णत श्रम्थायी श्रीर नदर्थ रूप में एनद द्वारा नियुक्त करते हैं।

श्री डी० एन० सचदेव ने केन्द्रीय जल श्रामोग में 5 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्म से श्रीतिरिक्त सहायक निदेशक के कार्यालय का कार्य-भार संभाल लिया है।

दिनाक 24 सितम्बर 1977

स० क०-19012/24/77-प्रणासन-पाच—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री सुभाष चन्दर प्रुयी, पर्यवेक्षक को पूर्णतया ग्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200क् के वेतनमान मे 12 ग्रगस्त, 1977 को पूर्वाह्म मे ग्रागामी ग्रादेण होने तक ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक की श्रेणी मे स्थानापन्त रूप में नियक्त करने हैं।

श्री एस० सी० प्रुणी ने केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिस्वित सहायक निदेशक के पद का कार्य भार 12 श्रगस्त, 1977 की पूर्वाह्र से ग्रहण किया है।

दिनाक 26 सितम्बर 1977

ं कुमारी टी॰एम॰ यमुनादेवी ने महायक अभियता का कार्य-भार लेखा क्षेत्र अध्ययन वृत्त सख्या 2, हैदराबाद में दिनाक 21 जुलाई, 1977 पूर्वाह्म में लेखिया है।

> जे०के० स\हा श्रवर सचिव, केन्द्रीय जल श्रायोग

उत्तर रेलवे

जोधपूर, दिनाक 31 श्रगस्त 1977

संव 13—-श्री एमंव एलव जेम्स/सहायक निर्माण प्रबन्धक जोधपुर प्रपनी स्नेच्छा से रेल सेवा से दिनाक 6 जून, 1977 श्रवराह्म से निवृत्त हो गये हैं। दिनाक 27 सितम्बर 1977

स० 14/--श्री ृत्यार० एल० त्यागी, सहायक यात्रिक स्मियन्ता दिल्ली रेल सेवा से श्रतिस रूप से 31-8-77 से निवृत्त हो गये हैं।

जे० एन० कोहली महाप्रबन्धक

विधिन्य।य और कम्पनी कार्य मन्नालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 दी प्रोगरैसिव कासरन्स
प्राइवेट लिमिटड के विषय में
हैदराबाद, दिनाक 12 सितम्बर 1977

म० 407/टी/(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कि इसतारीख से तीन माह के अवसान पर प्रोग्रेसिय कासरन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया नो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त

कम्पनी विघटित करदी जाएगी।

वि॰ एसः राजू कम्पनियों का रस्जिद्रार स्राध्न प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रधिनियम , 1956 श्रौर चेट्टिनाड श्राटोमोटिय प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनाक 23 सितम्बर 1977

स० 5874/560(3)/77—कम्पनी स्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के श्रवसान पर चेट्टिनाड श्राटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर करिकर एण्ड सत्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में मद्रास-6, दिनाक 23 सिनम्बर, 1977

म० 1123/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि करिकर एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर श्रीयास इलैक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में मद्राम-6, दिनाक 27 मितम्बर 1977

स० 5895/560(5)/77—कम्पनी ग्रधिनियम 1956 कीधारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि श्रीयास इलैंक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० पञ्चापकेशन कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार

मद्राम, दिनाक 30 दिसम्बर 1976

स० 1297/247(4)/लिक्व०/76--1913 एक्ट-यत दि कृष्णगिरि श्री किन्निका परमेश्वरी बैक लिमिटेड (इन
लिकुडिणन) जिमका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरीतिलेया,
हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है। ग्रीर
यत प्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वाम करने का युक्ति-युक्त हेतुक
रखता है कि कोई ममापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है श्रीर यह
कि लेखा-विवर्राणयों में ममापक द्वारा दिए जाने के लिये श्रपेक्षित
है, यह कमवक्ता मास के लिये नहीं हो गई है, ग्रतः जब
कम्पनी श्रिधिनयम 1913 की धारा 247 की उपधारा
(4) के उपबधों के प्रमुसरण में एनद्द्वरा सूचित किया जाता है
कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के श्रवसान पर दि
कृष्णगिरि श्री किन्निका परमेश्वरी बैंक लिमिटेड (इन लिकुडेणन)
का नाम यदि इसके प्रतिकृत हेतुक दिणत नहीं किया जाता है
तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर कम्पनी विधटित कर
दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर सहायक ट्रान्सपोर्टम प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनाक 23 सितम्बर 1977

म० 4032/560(3)/77—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के ग्रवमान पर सहायक ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर नेल्लै रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्राम-6, दिनाक 23 तिसम्बर 1977

स० 4120/560(5)/77—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नेल्लें रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर खमर ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनाक 23 तिसम्बर 1977

मं० 4388/560(5)/77—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्aारा

सूचना दी जाती है कि खमर ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम फ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर श्रीनिवासा सिनिटैक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनाक 23 सितम्बर 1977

स० 4151/560(5)/77—कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि श्रीनिवामा मिनिटेंक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है स्रौर उक्त कम्पनी विधटिन हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जि० डि० बस ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनांक 26 सितम्बर 1977

म० 3725/560(5)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि जि० डि० बसट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी स्रधिनियम, 1956 स्रौर के० जी० पी० ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनाक 26 सितम्बर 1977

सं० 4615/560(5)/77—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वार सूचना दी जाती है कि के० जी० पी० ट्रासपोर्टम प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज राजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इनमुलक्स इन्डिया लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनाक 26 सितम्बर 1977

सं० 5033/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचनादी जाती है कि इत्सुलक्स इण्डिया लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० म्रच्युतन कम्पनियोका सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रौर ''पाङिचेरी क्वार्टस प्राइवेट लिमिटेड'' के विषय मे

पाडिचेरी, दिनाक 20 सितम्बर 1977

सं० 117—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचनादी जाती है कि "पाडिनेरी क्वार्टस प्राइनेट लिमिटेड" का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी भग हो गयी है।

एस० ग्रार० वी० वी० सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी कार्यालय द्यायकर द्यायुक्त नई दिल्ली, दिनाक 22 सिसम्बर 1977

ग्रायकर

स० जुरि-विल्ली/2/77-78/24392— श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961का 43वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो तथा इस संबंध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 22-9-1977 से निम्नलिखित ग्रायकर रेज बनाया जायेगा।

निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली रेंज-2-ई, नई दिल्ली ।

भ्रायकर विभाग

दिनाक 24 सितम्बर 1977

स० ग्रो० एण्ड सी०-1/पी०एल०/डी-2/बी/73-74/8403---श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्य श्रीर बीमा विभाग) के दिनाक 9-6-69 के श्रादेश के श्रनुसार, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली लोकहिन में उचित समझ कर उन निर्धारितियों के नामो तथा श्रन्य विवरणों को प्रकाणित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान कम से कम 5000/- रु० की पेनल्टी लगाई गई थी।

- क्रम स०	स्थाई लेखा मख्या	नाम वपता	हैसियत	कर-निर्धारण वर्ष	पेनल्टी की राशि
1.	22-000-सी०टी०-0365डी एल श्राई/ कं० सर्किल-4	भारत कार्बन एण्ड रिबन मैन्युफैक्चरिंग क० लि० एन-75, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।	लि० क०	1969-70	6,345
2	22-000-सीटी-0400 डी एल ग्राई/क० सक्तिल-4	लक ग्राटोऐसिलेरी (प्राइवेट) लि॰ ग्राकाश दीप, बाराखबा रोड, नई दिल्ली	प्राइवेट लि० कं०	1967-68	5,998
3.	22-000-मी०एक्स-1392,डी एल०ग्राई/क० सर्किल-9	मिस्को (प्राइवेट) लि० विस्टोरिया मार्क, मेरठ (यू०पी)	प्राइवेट लि० कं०	1969-70	9,535

सं० ओ एड सी-1/पिंब्ल/डी-2/सी/74-75/ 8459 श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मल्लालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) के दिनांक 9-6-69 के श्रादेश के श्रनुसार श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली लोकहित में उचित समक्षकर उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1974-75 के श्रन्तिम दिन श्रर्थात् 31-3-75 को 25,000/- रुपये या श्रिधिक के कर के बकायादार हैं।

	निर्धारिती का नाम व पता	बकाया राशि		
क्रम स०		माह से ग्रिधिक किन्तु1 वर्ष3 माह तक क्रकी श्रवधि से	वे व्यक्ति जो 1 वर्ष 3 माह ग्रौर इससे ग्रधिक किन्तु 2 वर्ष 3 माह तक की ग्रवधि से बकायादार हैं।	वर्ष 3 माह ग्रौर इससे ग्रधिक की श्रवधि से
		भाग 1	भाग 2	
1	2	3	4	5
	म्राहूजा भ्यारएज (पी०)लि०, 16/8, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली बैसाखा सिंह एंड कं० (प्रा०) लि० 5,जतर मंतर रोड नई दिल्ली			75,214 3,63,913

	0	3	4	
1	2			
3. दर्शन सिह,	11-ए/31, डब्ल्यू०ई०ए० नई दिल्ली		59,250	
4. डिलैक्स इट	टरनेशनल (प्रो०) लि० 35/27-28, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली		50,465	
5 श्रीगुरवीप	: सिंह-5/1, डब्ल्यू०ई० ए० करोलबाग, नई दिल्ली			76,361
 श्रीमती हर 	भोहिन्दर कौर , $11/10$, पूसा रोड, नई दिल्ली			53,000
7. श्रीमोखम	सिंह, मार्फत मैं॰ चवोक एण्ड गलीग्रानी सी॰ए॰ $5 \sqrt{10}$, श्रमारी			
रोड, दिल्ल	î t			1,67,156
8 नार्वन इंडि	या, लेड एड फाइनेंस (प्रा०) लि० माडल बस्ती, दिल्ली			1,57,652
9. स्वर्गीय श्री	प्रेमनाथ मार्फत एल/एच, ८, सिधिया हाउस, नई दिल्ली			16,48,00
10. मैं० रामें!	सिह, सरकार सिह फाइनेनसर (प्रा०) लि० उए/उ, श्रासफ ग्रली			
रोड, नई वि				3, 41, 528
11. रैलिएन्स	चट फड (प्रा॰) लि॰, डी-1, राणा प्रताम बाग, दिल्ली			29,874
12. मै० सरस्व	ती इन्डस० (प्रा०) लि०, जी० टी० रोड, गाहदरा, दिल्ली			48,715
13. मै० सुप्रीम	फाइनेस (प्रा०) लि० करोल बाग नई दिल्ली	-		51,533
14. मैं ० सगम	फाइनेस –प्रा० लि० 178-सी, सदर बाजार, मेरठ, कैन्ट			
मेरठ (यू	्॰ पी॰)	87586		

ए० सी० जैन ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनाक 26 सितम्बर, 1977

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/11/1280/77-78— श्रतः मुझे, ए० एल० सूद,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्राधिक है

श्रौर जिसकी सख्या एफ 6/8 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 2-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर भन्तरक (धन्तरको) और भन्तरिती (भन्तरितयो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्म उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-च की उच्छारा (1) के ध्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ध्रवीत:——

(1) श्रीमती कमला देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री बदरी प्रमाद, निवासी एफ 6/8, कृष्ण नगर, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मब्जकली पत्नी श्री बलवन्त सिह, निवासी 4542, कूचा बीबी गोहर, चरकेवाला, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पक्षों का, जो उक्त स्रधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रयं होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है ।

अन्**सूची**

एक मजला मकान जोकि 200 वर्ग गज के क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका न० 8, ब्लाक न०एफ-6, जायदाद न० 307 है, क्रुटण नगर, शाहदरा के इलाके में, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं —

पूर्व . रोड़

पश्चिम . मकान न ० एफ 5/8 उत्सर . मकान न ० एफ 6/7 दिक्षण . मकान न ० एफ 6/9

> ए० एल० सूद, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक **प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण**), श्रर्जन रेज IJ, नई दिल्ली-1.

तारीख: 26-9-1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

आयकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज Π , दिल्ली-1 4/14 क, श्रामफश्रली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनाक 26 सितम्बर, 1977

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1279/77-78— अत मुझे, ए.० एल० सूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सख्या 2/38 है तथा जो भील कुरजा, गीता कालोनी, दिल्ली-31 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए धन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और धन्तरक (अन्तरको) और धन्तरितो (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिं घिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिं घिनयम, या धन-कर घिं चियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीन, निम्नलिखित ज्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्री सनपाल, सुपुत्र श्री सेवा राम, निवासी 2/38. मील कुरजा, गीप्ता कालोनी, दिल्ली-31.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री णान्ति सारूप, सुपुत्र श्री ठाकुर दास, निवावी 2/38, भील कुरंजा, गीता कालोनी, दिल्ली-31.

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी ध्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुम्रा है, जिसका मकान न० 2/38 (ब्लाक न० 2, मकान नं० 38) है, भील कुरंजा, गीता कालोनी, दिल्ली-31 मे है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व मकान म० 2/39 पश्चिम मकान न० 2/37 उत्तर रोड दक्षिण रोड

> ए० एन० सूद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 26 सितम्बर, 1977 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकसा

कलकत्ता, दिनाक 23 मितम्बर, 1977

निर्देण स० एसि०-10/भर्जन रेंज-4/कल०/77-78---भ्रतः मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी ो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से मधिक है और जिसकी स० 231 है तथा जो सि० आई० टि० स्किम स० VI एम, थाना फूल बागान, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय, सियालदा में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 2241-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घायकी बाबत, उक्त घिषिनियम, के धिष्ठीन कर देने के अन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय म्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.।

भत: भव, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:—

(1) श्रीमती शांति लता दास

(मन्तरक)

(2) श्री णिव कुमार प्रथवाल घौर विजय कुमार प्रथवाल (ध्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिस की झवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना ी तामील से 30 दिन की झवधि, जो भी झवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिवितयम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुबी

सि॰ भ्राई॰ टि॰ स्कीम स॰-VI एम, धाना-फुल बागान, कल-कत्ता स्थित प्लाट सं॰ 231 जो कि 6 कट्टा 8 छटाक 18 स्केयर फिट जमीन है उसके सब कुछ।

> ए० एन० मट्टाचार्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-4, कलकसा 54, रफी अहमद किद**ब**ई रोड, कलकसा-16

तारीख: 23 सिमम्बर 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 26 मितम्बर 1977

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मौजा बेलगाछिया, किसमत है तथा जो थाना-लिलुया, हावडा स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सारीख 20-1-1977 को

पूर्वोक्त सपित के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री विजय कृष्ण दास

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स बेगल श्रायरन कारपोरेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्,सूची

मौजा बेलगाछिया किस्मत, थाना-लिलूया, जिला हावड़ा में स्थित लगभग 9 बीवा, 13 कट्ठा, 8 छटाक परिमाण जमीन के समुदाय चीजो के श्रविभाजित 1/5 श्रंण जो कि दलिल सं० 229 तारीख 20-1-77 में पूर्ण रूप से विणित है।

> ए० एन० भट्टाचार्य, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-4, कलकला 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकता-16

तारीख: 26 सितम्बर, 1977.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ष्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 26 सितम्बर, 1977

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रौर जिसकी स० मौजा बेलगाछिया किस्मत है तथा जो थाना- लिलूया, हावडा स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची मे ओर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हावडा मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ध्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम का धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रर्थात:— (1) श्री रत्न चन्द दास

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स बेगाल भ्रायरन कारपोरेशन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचन। की तामील से 30 दिन के भ्रविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा झधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का; जो उक्त ग्रिधिः नियम के ग्राह्म्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा जो उस ग्राह्म्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा बेलगाछिया किममत, थाना-लिलूया, जिला-हावड़ा में स्थित लगभग 9 बिघा, 13 कट्ठा, 8 छटाक परिमाण जमीन के समुदाय चीजो के श्रविभाजित 1/5 ग्रण जोकि दलिल सं० 230 तारीख 20-1-77 में पूर्ण रूप से विणत हैं।

ए० एन० भट्टाचार्य, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 तारीख 26 सितम्बर, 1977

मोहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 26 मितम्बर 1977

निर्देश स० ए० सि०-13/प्रर्जन रेज-4/कल०/77-78---धत मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी स० मौजा-बेलगाछिया किसमत है तथा जो थाना-लिलूया, हावडा स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हावडा मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, **सारीख 22-1-77**

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है ग्रीर मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरको) मौर मन्तरिती (भन्तरितियो) के भीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त र्घाधनियम, के प्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मै, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) 1 महादेव चन्द्र दास
 - 2 पशुपति दास
 - प्रक्षित कुमार दास
 - 4. किंकर दाम
 - 5. तारा राणी हाजरा
 - उमा कोले

- 7 सन्ध्या मडल
- 8 गायत्री चौधरी
- 9 आर्यात करार
- 10 अशोक कुमार दाम
- 11. भ्रलोक कुमार दास
- 12 लिलि दास
- 13 माला दास
- 13 माला दाम
- 14. गोरा चान्द दाम
- 15 कल्याणी दास
- 16. नेपाल सातरा
- 17 कौशिक सन्तरा
- 18. भीरा दास
- 19. पार्थ दास
- 20 पियुम दाम
- 21. तृष्णा दास
- 22. तमसा दास

23 तन्द्रादाम

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स बेगाल आयरन कारपोरेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रर्अन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उदत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति भ्रारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क मे ्यणापरिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मौजा बेलगाछिया किममत, थाता-लिल्या, जिला हावधा में स्थित लगभग 9 बीवा, 13 कट्टा 8 छटाक परिमाण जमीन के ममुदाय चीजों के भ्रविभाजित 1/5 भ्रंग जो कि दलिल सं० 255 तारीख 22-1-1977 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

> ए० एन० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेज-4, कलकत्ता, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 26-9-1977 मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रज्न रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 26 सितम्बर 1977

निर्देश स० ए० सि०-14/ग्रर्जन रेंज-4/कल०/77-78—— ग्रतः मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि से प्रधिक है भीर जिसकी से मौजा बेलगाछिया किसमत है तथा जो थाना- लिलूया, हावडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-1-77

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नही किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई िकिमी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देंने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रबं, उक्त मधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269व की उपघारा (1) के भाषीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

- 1. श्रनिल कुमार दास
- 2. सचिन्द्रनाथ दास
- 3. श्रीमप्ति योगमाया दास
- 4. शीला दास
- 5. धनिमा दास
- 6. गिता दास
- 7. हासि दास

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स बगाल भ्रायरन कारपोरेशन

(श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मपिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, भो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उस्त अधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा बेलगाछिया किममत, थाता लिलूया, जिला हावडा में स्थित लगभग 9 बिघा, 13 कट्टा 8 छटाक जमीत के समुदाय चीजो के भ्रविभाजित है श्रणजोकि दलिल स० 256, तारीख 22-1-1977 में पूर्ण रूप में वर्णित है।

> ए० एन० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्राजन रेंज-4, कलकत्ता, 54 रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 26-9-1977 मोहर : प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 सितम्बर, 1977

म्रायकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की मारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० मे प्रधिक है

भौर जिसकी स० मौजा बेलगाछिया किसमत है तथा जो थाना लिलूया हावड़ा स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से र्वाणित है), रजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हावडा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-1-77 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण में हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त श्रिधितयम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियो, श्रयीत:—

(1). श्रीमती सावित्री बाला दासी

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स बंगाल श्रायरन कारपोरेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपत्ति के भ्रजन के सबध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिन में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो धौर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुस्ची

मौजा बेलगाछिया किसमत, थाना लिलूया, जिला हाबड़ा में स्थित लगभग 9 बिघा, 13 कठ्ठा. 8 छटाक परिमाण जमीन के समुदाय चीजो के अविभाजित 1/5 अश जो कि दिलल मं॰ 257 तारीख 22-1-1977 में पूर्ण रूप से अणित है।

ए० एन० भट्टाचार्या, सक्षम प्रधिकारी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता. रफीश्रहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16.

तारीख 26-9-1977 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनाक 30 सितम्बर, 1977

निर्देश स० 51/77-78/ब्राई० ए० सी० (ए०/ब्रार०)/ बी० बी० एस० ब्रार०—यतः मुझे, ब्रमरेन्द्र नाथ मिश्र, श्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपये मे श्रिधक है,

श्रीर जिसकी सं० तौजी न० - 2498 है, जो मौजा टाउन बिक्सनबर में में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जिला सबरेजिस्ट्रार कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से प्रधिक 💲 और ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) घौर (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ब्रब, उक्त ब्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण मे, में उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-व की उपद्वारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रमेन्द्र नाथ मिट्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर लाल भरलावाला

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त झिश्वित्यम के भध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसन और मकान कटक जिला के मौजा-टाउन बिझिनबर में स्थित है। जिसका तोजी न० 2498 श्रौर खाता न० 916/1, है। वह जिसन कटक जिला सबरेजिस्ट्रार श्राफिस में 16-4-77 तारीख में ,रजिस्टर हुश्रा , जिसका डाकुमेंट न० 2148 है।

श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज भुवनेश्वर

तारीख: 30-9-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनाक 30 सितम्बर, 1977

निदण स० 52/77-78/ग्राई० ए० सी० (ए०/ ग्रार०)भुवने एवर — यत. मुझे, ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० 31/7 है, जो बापू जी नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख - 1-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया
है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिष्टितयम, के घधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मै, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) में अधीन निमनलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्री भिकारी चरण साहु

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी धर साह

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(अन्तरिती) स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त भिधिनयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

जिसन श्रीर मकान भुवनेश्वर का यूनिट-I, बापु जी नगर, प्लाट न० 31/7 पर स्थित है। यह जिसन भुवनेश्वर सब रिजस्ट्रार श्राफिस में 1-3-77 तारीख में रिजस्टर हुआ जिसका डाकुमेट नं० 1906 है।

> श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 30-9-7**7**

(भ्रन्तरक)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर भ्रघिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के **ग्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, धारवाडु

धारवाड-580004, दिनाक 21 सितम्बर, 77 निर्देश स० 190/77-78/ म्रर्जन .—यतः, मुझे डि॰ सी॰ राजागोपालन,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का' 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उवत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से भिधिक है भ्रौर जिसकी स० एस० नं० 32 प्लाट नं० 15, है जो इदवारपेठ, हासपेठ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हांसपेट ग्रंडर डाक्मेट न० 866 तारीख 3-1-1977 में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) प्रतिशतसे ग्रधिक है **धन्तरिती (ध्रम्तरितियो) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धक्तरण लिखत मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्ह भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रम, उनत श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिखन व्यक्तियों, पर्यान् .---

- (1) श्री सम्पन लोगनादन,
 2. मुखुमार लोगमादन (3) डा०लिलना कुमार,
 एस० ए० कुमार का धर्मपत्नी, (4) श्रीमित
 मेनका कुमारी पत्नी श्रार० सी० कुमारा।
 5. श्रीमित कोमलागोपीनाथ पत्नी सी० डी० गोपीनाथ, 5 इडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलुर
- (2) श्री अबबुलवाह्ब सुपुत्र एच० हुसेनपीर मैंन श्रानर, जयप्रकाश नगर, हांसपेट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त भिक्षितियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभा-वित है, वहीं भर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

थनुसूची

पुराना प्लाट नं० 15, सर्वे न० 32, वार्ड न० IV, मीजकीय 1422 स्कार यार्ड पटेल नगर टाउन प्लानिग एक्सटेनशन, इदवारपेठ के यहां हैं। हासपेठ।

> डी० सी० राजागोपालन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 21-9-77

भोहर :

में है।

(श्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, धारवाड

धारवाड-580004, दिनाक 21 सितम्बर 1977

निर्देश स० 191/77-78/ श्रर्जन :---यत , मुझे डि० सी० राजगोपालन

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ध्रिष्ठिक है

भौर जिसकी सं० एम० न० 1307/1365/2705 है, जो तिलक नगर, सिमोगा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिमोगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन ग्रंडर डाक्नुमेटन० 1803 तारीख 10-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुग्यमान प्रतिफल से ऐसे बुग्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्रायया किसी घन या मन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय द्याय-कर द्यविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, प्रपीत्:---

4-286GI/77

- (1) श्रीमती एम० सुमर्दम्मा पत्नी श्रीनिवास मूर्ति, 2. मिस एस० पदमजा सुपुत्री श्रीनिवास मूर्ति 3. मिस एम० रामा सुपुत्नी श्रीनिवास मृति 4. मास्टर एस० बाला सुर्बमन्या सुपुत्र श्रीनिवास 961, होसल्ली एक्सटेनसेन बगल्र प्रब उडपी
- (2) श्री एस० एम० मल्लिकार्जुनय्या, लेक्चरर, जूनियर कालेज भ्रारसीकेरे (2) श्रीमती, भ्रन्नपूर्ण भ्रलियाज श्रपारना, पत्नी मल्लिकार्जनय्या ग्रमिकेरे । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (खा) इस सूचमा के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छाकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त **प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,** वही झर्य होगा जो उस झध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भ्रार० भ्रार० सि० सि० का बिल्डिंग भ्रौर छत का अपर सिमेंट का पनरों से चुपाया है। तिलक नगर के यहां है। शिमोगा म्युनिसिपल का नम्बर 1307/1365/207 है। सैट नम्बर-103, विस्तार 2400 चौरसीफोट है।

> डि॰ सी० राजगोपालन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्प्रर्जन रेज, धारवाड

तारीख: 21-7-77

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०-------

धायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 77

निदेश स० चण्डीगढ / 91/76-77 :—यत , मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से भिधिक है और जिसकी

सं व्लाट न 96 पी विम्नान न 743 सैक्टर 22ए वंडीगढ़ है तथा जो चडीगढ़ में स्थित है (श्रीय इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,, तारीख मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रति-फल के लिये झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (झन्तरकों) और झन्तरिती (झन्तरितियो) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्नाय या किसी घन या ग्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन: निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रकृत्-- (1) श्रीमती प्रकाणवती नि॰ स्रार०-37 , नई दिल्ली कालोनी गुड़गाव।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमित चन्द्र कान्ता कपूर
2. श्री वीरेन्द्र कुमार कपूर, निवास, 781 सैक्टर
22 ए०, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घट्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 96-पी०, मकान नं० 743, गली 'ए०' सैक्टर 22 ए०, चण्डीगढ़ जो कि इसी प्लाट पर बना है। श्रीर जिसका रकबा 334.3 वर्गगज है और जिसका बना हुआ रकबा 1773.4 वर्ग फुट है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री न० 1754 मास मार्च , 1977 में दी हैं)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 29-9-1977

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना कार्यालय अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 1977

निदेश सं० चण्डीगढ़ / 92/ 76-77 :— श्रतः , मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया :

सहायक झायकर झिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त झिधिनियम' कहा गया है), की झारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 99, सैक्टर 8-ए०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977।

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव उन्त धिधिनियम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपभारा (1) के भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियो, भर्यात्:--

- (1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी मेजर जनरल मोहिन्द्र सिह मकान नं० 305, सैक्टर 33 ए०, चंण्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- (2) लेफ जनरल सरताज सिंह पुत्र श्री कप्पान फौजदार सिंह मकान नं० 80, सैक्टर 5, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के-लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सबधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति
 वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राधा हिस्सा मकान नं 99 सैक्टर 8 ए०, चण्डीगढ़ (सम्पत्ति जैंमें कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण विलेख न 1527 के मार्च, 1977 में लिखा है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीखा : 29-9-1977।

प्ररूप प्राई० टी • एन० एस०--

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज रोहतक रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 1977

निदेश स० चण्डीगढ़/ 93/ 76-77 :—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 85, सैक्टर 28 ए०, चण्डीगढ है तथा जो चण्डीगढ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269ग के ग्रनु-सरण में मै, उक्त ग्रिघिनियम की घारा 269व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत् —— (1) श्री ग्रगोक कुमार पुत्र श्री जानकी दास मकान नं० 85, सैक्टर 28 ए०, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमित शारवा रानी म्रग्नवाल, पत्नी श्री सुरेन्द्र पत्नी सुरिन्द्र कुमार श्रग्नवाल
 - (i1) श्रीमिति नरेश बाला, पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार ग्रग्नवाल, मकान न० 851, सैक्टर 28 ए०, चंण्डी-गढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के झर्जन के सबध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सबधी व्यवितयों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की ध्रविध जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त ध्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में यधापरि-भाषित है वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि निवास मकान ($2\frac{1}{2}$ मजली) मकान न० 85, सैक्टर 28 ए०, चण्डीगढ़ में है श्रीर प्लाट का रकबा 293-33 वर्गगज है)।

(सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकृत क्रमाक 1781 के मार्च, 1977 में दिखाई गई है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 29-9-77

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

सोनीपत रोड, भ्रजन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 1977

निदेश स 2 चण्डीगढ/ 94/ 76-77:---यत', मुझे, रविन्द्र कुमार पठानिया ,

सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चास 'उन्त स्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० स्रीर जिसकी सं० मकान न० 1469, सैक्टर 22 बी०, चण्डीगढ़ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ स्रन्भुची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च, 1977

पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उनत मिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उनत मिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, प्रधातृ:—

- (1) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री ईश्वर दास निवासी मकान नं० 85, रधुनाथ पुरा, जम्मू 2 श्री शाम लाल पुत्र श्री श्री ईश्वर दास मार्फत बाटा शू कम्पनी रघुनाथ मदिर के पास, जम्मू (श्रन्तरक)
- (2) 1 श्री गिरधारी लाल ठूकताल पुत्न श्री चन्दा लाल 2. श्री रजपाल, श्री यशपाल पुत्नान श्री गिरधारी लाल । सभी निवासी मकान न० 1469, सैंक्टर 22-बी० चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :- 🕖

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

म्रनुसूची

मकान न० 1469 सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़ जो के दो मंजला मकान है। कुल रकबा जो मकान साथ मे है, 182.9 वर्गगज है। सम्पत्ति गली ग्रैल सैक्टर 22-बी० में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1784 जनवरी, 1977 में दर्ज किया गया है।

> रविन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक.

तारीख 29-9-1977.

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सोनीपत रोड, श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 1977

निर्देश स० सी० एच० डी०/95/76-77—श्रतः मझे, रविन्द्र कुमार पठानिया, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्रौनेक्स सिहत प्लाट न० 60, सैक्टर 28-ए, चंडोगढ़, है तथा जो चण्डीगड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्-

- (1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री संत राम निवासी भुज, जिला कच्छ (गुजरात) दुवारा मुख्तयारे श्राम श्री सरदारा सिंह पुत्र श्री गोविंद राम निवासी भुज, जिला कच्छ (गुजरात) (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लवलीन, धर्म पत्नी डाक्टर संगत सिह, दुवारा मुख्तयारे श्राम श्रीतम सिह, पुत्र श्री बसत सिह, निवासी मकान नं 2-1075, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, म्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं ० 60, ग्रनैकस के साथ जो सेकटर 28-ए, चण्डीगढ़ मे है। मकान का रकबा 1000.31 वर्ग गज कपाउड दीवार के साथ है।

(सम्पति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्या-लय में रजिस्ट्रीकृत क्रमांक न० 1791 पर मार्च, 1977 में दिखाई है)

> रिवन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, रोहतक.

तारीख 29-9-1977. मोहर प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 सितम्बर, 1977

निर्वेण सं० सी० एच० डी०/16/77-78—मृत मुझे, रिवन्द्र
कुमार पठानिया, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त भ्रर्जन रेज, रोहतक
भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से भ्रधिक है
भीर जिसकी सं० श्राधा हिस्सा, मकान न० 63, मैक्टर 9-ए, है

भीर जिसकी सं० भ्राधा हिस्सा, मकान न० 63, मैंक्टर 9-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिष्ठित्यम' या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त ग्रिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उप-भ्रारा (1) के ग्रिभी निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--- (1) श्री तेजा सिह पुत्र श्री श्रत्तर मिह. मकान न० 1566, सैक्टर 36, चण्डीगढ

(ग्रन्तरकः)

- (2) 1. श्री हरबन्स सिंह बजाज पुत्र श्री मुन्दर सिंह
 - 2. श्री हरिन्द्र पाल सिह
 - 3. श्री मोहिन्द्र पाल सिंह

नावालिग पुत्रान श्री हरबन्स सिंह बजाज मकान नं० 63, सेक्टर 9-ए, चडीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी ध्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब ड
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त गब्दो और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

प्राधा भाग मकान नं० 64, सैक्टर 9-ए, धडीगढ़।
(सम्पति जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय मे रिजस्ट्रीकृत कमांक 134 पर मई, 1977 के मास में दिखाई
है)

रिवन्द्र कुमार पठानियाः सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 1977

निदेश सं० चण्डीगढ़/ 72/76-77 .—श्रत., मुझे रविन्द्र कुमार पटानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), रोहतक भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से ग्रधिक है मुल्य भ्रौर जिसकी सं० मकान न० 63 का श्राधा हिस्सा, सैक्टर 9 ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1977 को पूर्वोक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरको) भौर धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उन्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामील्:— (1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री भ्रतर सिंह निवासी मकान न० 63, सैक्टर 9 ए० चण्डीगढ

(ब्रन्तरक)

- (2) 1. श्री हरबंस सिंह बाजाज पुत्र श्री सुन्दर सिंह बजाज
 - 2. श्री हरिन्द्र पाल सिंह
 - 3 श्री महेन्द्र पाल सिंह माबालिग पुत्र श्री हरबंस सिंह बजाज निवासी मकान नं० 63, सैक्टर 9 ए० चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्राध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 63 का भ्राधा हिस्सा जो के सैक्टर 9 ए० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्री करता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री विलेख न० 750, जनवरी, 1977 में ली गई)।

रविन्त्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 29-9-1977

प्ररूप माई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनाक 29 सितम्बर, 77

निवेश स०बी० जी० ग्रार० (वेहली)/20/76-77:---अत: मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानिया, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिमकी स० फैंक्टरी इमारत है तथा जो 15/4 मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, देहली में , रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में गहतिक इप में कथिय नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में मुखिधा के लिए; भ्रीग/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम को धारा 269म के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के मधीन; निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात .---5---286GI/77

- (1) मैं गलोब फाइनैनसर प्राइवेट लिमिटेड 16 महात्मा गाधी मार्ग भ्राई० पी० एस्टेट, नई देहली (दीवालिया) बारा
 - (।) डिप्टी रजिस्ट्रार , हाई कोर्ट, देहली
 - (ii) श्री एस० मी० मिसल पुत्र श्री कैलाश धन्द निवासी एफ०-2597, नेता जी नगर, नई विस्ली (वेहली हाई कोर्ट का एक सरकारी लिकवीड़ेटर)। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० भारत फोम उद्योग प्राईवेट लि० 1646/47, एस० पी० मुखर्जी मार्ग, देहली-6।

(भ्रन्तरिती)

(4) मैं० फी वील (इंडिया) लिमिटेड एच०-108 न्यू० एसाटिक बिल्डिंग कताट प्लेस, नई दिल्ली । (सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति)।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी इमारत जो कि 15/4 मील देहली मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है भ्रौर जिसकी सीमायें निम्नलिखित है :—

उत्तर : रैकमैन फैक्टरी की ईमारत दक्षिण : एस्कार्टलि० फैक्टरी की ईमारत।

पूर्व : देहली मथुरा रोड

पश्चिम : एस्कार्टलि० की जमीन

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 111 के मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में लिखा है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, चण्डीगढ़

ता**रीख** 29-9-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 सितम्बर, 77

निदेश स० श्राई० ए० सी० एक्वी/ भोपाल 77-78/887 ---श्रतः, मुझे, रा० कु० बाली भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से घधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, जो उज्जैन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बाम्बे मे रजिस्ट्रीकृत श्रध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 10-2-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर मन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घाय-कर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रधिनियम या घन-कर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्सरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के धनु-सरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के भ्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) दी॰ फोनेक्स मिल्स लि॰ , 462, सेनापित बोपट मार्ग, बाम्बे -12।

(ग्रन्तरक)

(2) इन्दौर टेक्टाइल्स लि॰, 50, शीतला माना बाजार, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की ग्रवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दो भीर पदों का, जो उन्ह मिन्न-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व बिल्डिंग क्षेत्रफल 39610-237 वर्गमीटर एस॰ न॰ 1923/1/1, स्थित उज्जैन।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेज, भोपाल

तारीख: 27-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर भधिनियम, 1961 (1961का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 सितम्बर, 77

निवेश स० श्राई० ए० सी० एक्बी / भोपाल 77-78/890:—— श्रतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रोर जिसकी स० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख 17-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती इन्द्रमित वैद्य पत्नी श्री जनार्दन वैद्य निवासी 4, योगीराज हार्जीसग सोसायटी, कवेररोड, पूना (महाराष्ट्र)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भारती पाटीदार पत्नी डा० गोकुल प्रसाद जी पाटीदार निवासी 11. नेता जी सुभाष मार्ग, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .-इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधि। नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

मकान नम्बर 11, स्थित नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर ।

रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर भायुक्त (**निरी**क्षण)**, श्रर्जन रेज, भोपाल ।

तारी**ख** : 27-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

निदेश स० म्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/ 77-78/888.---श्रतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

स्रीर जिसकी म० भिम है, जो ग्राम बबई मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होशगाबाद मे रिजस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरको) और अन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, घव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, विश्वति:---

(1) श्री शामीम अहमद पुत्र श्री भ्रनीस श्रहमद निवासी 23, पुल बोबदा, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) (1)श्री शिव प्रमाद (2)श्री रमेश प्रमाद दोनो पुत्र श्री बदरी प्रमाद निवासी ग्राम बाबई होशंगासाव । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्मवाहिया शुरू करता ह।

उपन सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वहीं धर्य होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति स्थित ग्राम बबई भूमि कमाक 22/4, साध म मोटर व मार्डकल स्टेड', जिला होशंगाबाद ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्गन रेज, भोपाल

तारीख 27-9-77 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

निदेश स० ग्राई० ए० सी० एक्बी० /भोपाल/ 77-78/887---ग्रतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० में मधिक है

श्रीर जिसकी स० भिम है, जो ग्राम बाबई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, होणगाबाद में रिजस्ट्रीकृत श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 23-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रितशत से श्रिधक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त प्राधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निशिखित व्यक्तियो, अवित्:--- (1) श्री शमीम ग्रहमद पुत्र श्री श्रनीस श्रहमद निवासी 23, पुलबोबदा, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्री गोपाल प्रसाद पुत्र श्री नहरी प्रसाद (2) श्री हरी कुमार पुत्र श्री शिव प्रसाद दोनो निवासी ग्राम बाबई होशंगाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दो भीर पदो का, जो उक्त भिष्ठितयम, के भ्रष्ट्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही भर्षे होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भिम क्रमाक 22/2 (भाग) बिल्डिंग न० बी० 215 मकान न० 56 स्थित ग्राम बाबई जिला होशगाबाद ।

> रा० कु० बाली स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, भोपाल

वारीख: 27-9-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर मिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरोक्षण)

भ्रजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 27 सिताबर, 1977

निदेश म० लुधियाना | सी० | 58 | 76-77 ग्रतः, मुझे, नत्थु राम ।

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० भिम 24 कनाल 4 मरले है तथा जो गाव गयासपुरा तहसील, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 77।

(1908 का 16) के अधान, ताराख फरवरा, 77। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/ या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिम्हें भारतीय धाय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

अत: श्रव, उक्त श्रधिनियम, की श्रारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की श्रारा 269-व की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—— (1) सर्वश्री गुरदेव सिंह, हरवेब सिंह पुत्रान श्री खरैती श्रीमती गुरदियाल कौर विधवा खरैती निवासी गाव गयास पुरा तहसील लुधियाना

(ग्रन्सरक)

(2) मुख्य श्रिधिकारी मैं० श्रौसवाल बूलन मिल्स जी०टी० रोड, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों झौर पदो का, जो उक्त झिख-नियम के झड्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस झड्याय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल 4 मरले जो कि गांव गयासपुरा तहसील, लुधियाना में स्थित है।

(असे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 2124 फरवरी, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 27 सिसम्बर, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

निदेश सं ० एल० डी० एच०/सी/59/76-77 — अत., मुझे, नत्यू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भिम 16 कनाल 2 मरले है तथा जो गाव गथासपुरा, तहसील, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इस उपाबड़ ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियो, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं उन्त मिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियो, ग्रयीत —— (1) 1 श्री रनजीत सिंह 2. श्री बखतावर सिंह पुत्रान श्री देसराज , निवासी गाव गयासपुरा, तहसील ल्धियाना ।

(श्रन्सरक)

(2) मुख्य भ्रधिकारी मै० भ्रौसवाल बूलन मिल्स लिमिटेड जी० टी० रोड, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दो झौर पदो का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के झध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा जो उस झध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 2 मरले जो कि गाव गयासपुरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्री कर्ता के विलेख न० 2125 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 27 सितम्बर, 1977 मोहर . प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

निदेश सं० एल० डी॰ एच०/60/76-77 — म्राप्त , मुझे, नस्थू राम,

भ्रायकर भ्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिमित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से भ्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 8 कनाल 1 मरला जो कि गाव गयासपुरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 77 है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेचीत्:——

(1) श्री जागीर सिंह पुत्र श्री देवा राज निवासी गयासपुरी तहसील लुश्रियाना।

(श्रन्सरक)

(2) मुख्य प्रधिकारी मै० श्रीसवाल मूलन, मिल्स लिमिटेंड जी०टी० रोड, लुधियाना ।

(श्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुभूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 1 मरला जो कि गाव गयासपुरा, तहसील, लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2126 फरवरी, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 27 सिनम्बर, 1977 मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिना, 27 सितम्बर 1977

निदेश मं० पटियाला/ 14/ 76-77 :--- प्रतः, मुझे, नत्थू राम ।

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि 65 कनाल 13 मण्ले है, तथा जो गाव कल्याण, तहसील पटियाला में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाद्यद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 77

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए फ्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरको) और भन्तिरती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बागत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जयोना पुत्रश्री चूडिया वासी गाव कलयान, तहसील व जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जंगीर सिंह पुत्न श्री जयोना वामी गाव कलयान तहसील पटियाला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यंत्राहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति धारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त गब्दो भौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 65 कताल 14 मरले जो कि गाम कलयान तहमील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 5331 फरवरी, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।

नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 27 सितम्बर, 1977

प्ररूप माई० टी० एन० एस० -

भायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियोना, दिनांक 27 सितम्बर, 1977

निदेश सं० पटियाला/15/76-77:— अतः मुझे, नत्यू राम सहायक प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 65 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव कलयान, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जियोना पृत्न श्री चूडिया वासी गाव कलयान तहसील पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रमरीक सिंह पुत्न श्री जगीर सिंह वासी गाव कल्याण, तहसील, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो धौर पदो का, जो उक्त धिधिनियम के घ्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस घ्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि 65 कनाल 14 मरले गाव कलयान तहसील, पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 5332 फरवरी, 77 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटटियाला के कार्यालय में लिखा है।

नत्थु राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीखा: 27 सिमम्बर 1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज ल्धियाना

लुधियाना, दिनाक 27 सितम्बर 1977

निदेश स० पटियाला | 16| 76-77 --यत , मुझे, नत्यु राम सहायक

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क् से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि 65 कनाल 14 मरले है तथा जो गाव कलयान , तहसील पटियाला में स्थित है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी वियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे यृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः ग्रेज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रतु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियो. ग्रर्थात्:—

- (1) श्री जयोना पुत्र श्री चूडिया वासी गाम कलयान तहसील व जिला पटियाला में स्थित है। (अन्तरक)
- (2) श्री संवजीत मिह पुत्र श्री जगीर मिह वामी गाव कलयान तहसील , व जिला पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि 65 कनाल 14 मरले जो कि गाव कलयान तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 5333 फरवरी, 77 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

नत्यु राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 27 सितम्बर, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

निवेण स० लुधियाना/ सी० / 96/76-77:— अतः, मुझे, नत्यू राम, महायक

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कोठी न० 169/ग्रार०, बी०-XVI-I176/2 405 व० ग० माइल टाउन , लुधियाना है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरको) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात :—— (1) श्रीमती शान्ती देवी विधवा श्री बिशन स्वरूप, मार्फत राजन महिन्द्रो वासी बी० - IV 1338, रोडेला, चौक सूदा लुधियाना

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमल कपूर पत्नी श्री सितन्द्र कपूर 87-ग्रार० माडल टाउन, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के झध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही झर्थ होगा, जो उस झध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 169-12, माङल टाउन (बी०-XVII-176/2) 405 व० ग० लुधियाना में स्थित है)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2296 फरवरी, 77 में, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख . 27 सितम्बर, 1977

प्ररूप माई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज लिधियाना ।

लुधियाना, दिनांक 27 सितम्बर, 1977

निदेश मरु पटियाला / 22/ 76-77:—-श्रतः, मुझे, नत्यू राम, सहायक

आयकर यिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 56 बिही गांव सयोना है, क्षया जो तहसील, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 77

को पूर्वास्त गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के जिए प्रस्तिरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से प्रधिक है, भौर अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तिरित्यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (ह) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिक्षिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा है किए, प्राप्तिया
- (ख) ऐनी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या जन-तर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के फोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

पतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण गे, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीत, निम्नलिखिन व्यक्तियो, अर्थात्:—— (1) श्री तलोक सिंह पुत्र श्री महासिंह गाव सपोना, डा० सिधूनाल, तहसील पटियाला,

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती, गुरवचन कौर पत्नी दलीप मिह, गांव भनरा, तहमील पटियाला

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक प्यक्ति सभाति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कीई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रमिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर गम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पटिकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो हा, जी उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रथे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 56 बिघे भाने सयोना, तहसील , पटियाला में स्थित है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 5553 फरवरी, 77 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाल के कार्यालय में लिखा है।

> नत्यू राम सक्षम पापिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 27 सितम्बर, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 23 सितम्बर, 1977

निदेश न० 196ए०/ ग्रर्जन/ भेरठ/77-78 3293.--श्रत मुझे, ग्रार०पी० भार्गव

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची मे है तथा जो मेरठ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज़ित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त धिधिनियम के घ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मन्य भास्तियो को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः भ्रय, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण मे, मै, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री वन्सी पुत्र खवानी लोधे राजपूत नि० मौजा लाजपत राय रोड सूरज कुन्ड मेरठ

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी राजकुमार नि० निरोज-पुर त० बागपत जिला मेरठ भ्रौर श्रीमती राम दुलारी पत्नी वेदप्रकाश नि० भौजा बाहशमा त० मवाना मेरठ वर्तमान हंसविला , सूरज कुन्ड मेरठ श्री दीवान चन्द पुत्र कुग्रानमल निवासी राजेन्द्र नगर मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख ने 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पव्होकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदो का, जो उक्त प्रधि-,नियम, के प्रघ्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

अमुसुची '

37 प्रचल सम्पत्ति मवाजी 18 विस्वा 13 विस्वासी भौर 10 कचवासी पुरुता अराजी भूमिधरी लागत परता खाता मिनजुमला भवाजी 1 बीघा 3 विस्वा 13 विस्वासी ग्रौर 10 कचवासी पुछता न० 4782/2 खाता नं० 136, स्थित मेरठ 50,000 रु०के विक्रय मुल्य मे बेची गयी।

> पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्चर्जर रेज, कानपुर

तारीख . 23-9-1977 मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के घिंचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 सितम्बर, 1977

निदेश सं० 182ए०/ श्चर्जन/ भेरठ/ 77-78/ 3294:—— श्रक्षः, मुझे, श्चार० पी० भागेंव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची मे है तथा जो कैराना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय कैराना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (झन्तरकों) भीर झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन कर भिन्न नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :— (1) श्री मलखान सिह, ग्रजब मिंह पुत्रगण पलटू नि॰ बमनौली पोस्ट खास परगना वरनवा, बुद्ध सिह महेन्द्र सिंह पुत्रगण मुल्लन सिह नि॰ विजरौल पो॰ खास प॰ बडौत जिला मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री महेन्द्र सिंह पुत्र मार्ग सिंह निवासी खौसमा पोस्ट श्राहपुर प० बडौन जिला मेरठ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धाघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का जो उकत ग्रिप्ति नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि 19 बीघा 5 विस्वाग्राम खौसमा परगना बड़ौत मेरठ 55880 के विकय मृल्य में बेची गयी ।

> ग्रार० पी० भागंय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 23-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज काकिन।डा

काकिनाडा, दिनाक 28 सितम्बर, 1977

म० न० 497 — यतः, मुझे एन० के० नागराजन
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख
के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २०
स ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० 23-11-5 है, जो विजयवाडा में स्थिति है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 30-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया अल्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कियन नहीं किया गया है .--

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी अप की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; गीर/या
- (खा) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर ग्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थं ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः भ्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती दासरी मह्कालम्मा
 2 श्री दासरी कृष्ण मूर्ति विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रार० ग्रन्नपूर्णदेवी मन्यनारायणपुरम, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्मात के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति 'द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्दीकरण :~-इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क से परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

विजयवाडा रिजिस्ट्री द्रिधिकारी से पाक्षिक अत २1-६-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 497/77 में निगमित श्रेनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन मैक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 28-9-77

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, का किनाडा

काकिनाडा, दिनाक 27 सितम्बर, 1977

सं० 446 — यत', मुझे एन० के० नागराजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से भिधक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० नं० 19/2 & 49/1 है, जो ग्राल्लवरम में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से घधिक है भीर भन्तरक (भन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किमी धन या भन्य भ्रास्तियो, को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छितान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुमरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्री पि० रामानजनेया वेकटा जोगिराजु
 2. पि० वरलका राजु, (3) श्रीमित सतेना विजय
 लक्ष्मी अल्लवरम, ग्रमलापुरम तालूक
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वसर्ले वीरम्मा रेल्लुगड्डा श्रमलापुरम तालूक (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो धौर पदो का, जो उक्त घधि-नियम के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रमलापुरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रत 15-2-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 433/77 में निगमति श्रनुसूची संपत्ति ।

> ाग्न० के० नागराजन सक्षम अ**धिकारी** महायक भ्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 27-9-77

मोहर '

7-286GI/77

से अधिक है

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------

मायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 27 सितम्बर, 77

निदेश नं० ए० पी० - 1716 :— यत., मुझी बी० एस० दिह्या । शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६०

भ्रौर जिसको स० जैसा कि अनुसूची में हैं। तथा जो माडल टाउन , जालन्धर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्घ, 1977 को

16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) प्रक्तरण से हुई किसी माय की बावत उक्त प्रधिनियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (भ) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निक्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—→

- (1) श्री गुलाब सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह मकान न० 238, एन० जी० महतला इस्लामाबाद जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) लैटी० कोम० ध्राई० एन० (रिटार्यंख) गुरनाम सिंह बाजवा पुत्र श्री फुमन सिंह बजवा 582-माडल टाउन जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि जो भी अवधि बाइ मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, यहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 6720 मार्च, 77 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम अधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेज, जालन्धर

नारीख · 27-9-1977 मोहर : प्ररूप भाई०टी०एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सङ्घायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 27 सितम्बर, 77

निदेश न० ए० पो०-1717 .~-यतः, मुझे बी० एस० दहिया,

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० जैसा कि भ्रनुसूची में है तथा जो दिल खुणा मार्केट जालन्धर में स्थित है (ध्रौर इसमें उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जालक्ष्यर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित को गई है धीर मुले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से धिष्ठ है धीर घन्तरक (घन्तरको)धीर घन्तरिती (घन्तरितियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एनो किनो प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियो को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए ।

अत: मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न के अनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, ग्रापीत्:——

- (1) श्री सर्वण सिंह जोहल पुत्र श्री लाभ सिंह, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) कोल० जमवत सिह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिह, 53 डिफैंस कालौनी, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह ध्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त धिनियम के श्रध्याय 20क में परिमाधित है, वहीं श्रथं होगा जो उस धध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/5 दुकान जैमा कि विलेख न० 5809 फरवरी 77 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, स्थाम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 27/9/77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के घ्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, शिलाग

शिलाग, दिनाक 30 सितम्बर, 1977

निर्देश सं० ए०-137/(दि० वि० म्रार०/77-78/613-14---भरा मुझे श्री० पी० के० शर्मा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी संब्वैतान न० 2 टउजी नं० 3 है तथा जो मैजोडागाड गोवाल पाडा जिला आसाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गोवाल पाडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के श्रधीन तारीख 28-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितयो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक इस्य से करन धन्तरण लिखित में वास्तविक इस्य से करन धन्तरण लिखित में

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिष्ठिनयम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण मे, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, तिम्नलिखिन व्यक्तियो भवित् --- (1) दि कामिनिटि कम्पनी (प्रा०)लिमिटेड, पी०-289, लेक रोड़, कलकत्ता-29।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स रफी उल्लाह टि॰ एण्ड ईन्वस्ट्रम निउ मारकेत दिवस्त्रारह, स्नासाम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन के माप 3029 बीधा, 1 काता, 12 लेमा चाय की खेती श्रीर मकान मिला के उसको मैजोड़ा टि० स्टेट कहलाते हैं श्रीर यह मैजोड़ा गाव गोबाल पाड़ा जिला में स्थित है।

> पी० के० णर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, शिलाग

तारीख: 29 सिमम्बर, 1977

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd September 1977

No F. 36/77-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri K K. Gupta, Assistant Registial, Supreme Court of India at the disposal of Justice Bhargava Commission of Inquity, Government of Andhia Pladesh with headquarters at New Delhi with effect from the Iorenoon of 23 September, 1977 until further orders

R. SUBBA RAO. Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delht-110011, the 15th September 1977

No A 32014/1/77-Admn I—The President is pleased to appoint Shri S P Mehia a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and ad how basis for the period from 31 8 1977 to 15 10 1977 or until further orders, whichever is earlier

P M MUKHERIEE, Under Secy (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th September 1977

No A 19036/6/77-Ad.V—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police I stablishment, hereby appoints Shii J N Mohapatra, an officer of Oissa Police Depaitment, as Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Bhubaneswar Branch with effect from the forenoon of 2-9-77 until further orders

The 22nd September 1977

No. A 35018/15/76-AD I—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Barun Chandra Ghosh, Sub-Inspector of Police, West Bengal Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th August, 1977 until further orders

P S NIGAM, Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 21st September 1977

No. PVII-4/76-Estt-VI.—The President is pleased to appoint on promotion Subedai Puina Nand of CRP Foice to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until turber orders.

2 He took over charge of the post in 7th Bn on 19-6-77 (FN)

The 22nd September 1977

No. O. [145] 77-Estt —The President is pleased to appoint on deputation Shii N. Swain, an IPS officer of O. issa Cadre as IGP in the CRP Force well the forenoon of 2-9-77 until turther orders on the usual terms and conditions applicable to IPS officers in similar posts.

CORRIGENDUM

The 23rd September 1977

No. DT-2/75-Estt.—The date of proforma promotion in respect of Shri Ompal Singh, Subedar to the rank of Dy S P published vide this Directorate General Notification No. DT-2/75-Estt dated 30/31-5-77 may be amended to Read '15-3-75 (AN)' for '15-3-75'

M P SINGH, Assistant Director New Delhi-110001, the 16th September 1977

No. O II-256/70-Estt — The services of Shii G S. Returi, Dv S P, CRPF are placed at the disposal of I.T.BP w.c.f. the oftenoon of 28-7-1976.

No O.II-666/71-Estt —The services of Shri Faiyaz Ahmed, Dv S P, 50th Bn C.R P F are replaced at the disposal of Govt of U P w c f the afternoon of 6-9-77

The 27th September 1977

No. O.II-1019/75-Estt —Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Md Sulaiman relinquished charge of the post of lumor Medical Officer, 30th Bn, CRPF on the atternoon of 10th August, 1977

The 28th September 1977

No. O II-1037/75-Estt — The services of Di C. M. Bhan, S M O. Base Hospital CRPF New Delhi, are replaced at the disposal of the Ministry of Health and family Weiflate, New Delhi with effect from the afternoon of 12th September, 1977.

No O II-1/76—Consequent on his appointment as IGP, BSF Shillong Sector the services of Shri H. R. K. Talwar IPS (Haryana-1948) IGP, S/III, CRPF, (on leave) stand transferred to BSF well the forenoon of 1st September, 1977

A K BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th September 1977

No. E-17017/3/77-GA-II—The President is pleased to appoint S/Shii & K. Kalia and Kushwant Singh of National Fertilizer Limited as Ex-Officio, Assit Commandant (Fire), CISF, at National Fertilizers Limited, Bhatinda and at Panipat respectively wef 30.8.77 in terms of Sub-Section 1 of Section 4 of the CISF Act, 1968, until further orders.

1. S BISHT Inspector General

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC

New Delhi, the 24th September 1977

No ADMN II/2(1)V/2564—A G C W & M. New Delhi has been pleased to promote Shi S R Bhatia, Section Officer (Audit and Accounts) as Temporary Accounts Officer on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the foreneon of 29 8 77 until turther orders

The A G C.W & M, New Delhi has also been pleased to appoint Shri H C. Jain, while holding the post of Section Officei (Excluded) in the scale of Rs 840—1200 in the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs) New Delhi to officeiate as Accounts Officer in his office in the scale of Rs 840—40—1000—FB- 40—1200 with effect from 29 8 77 (F.N.) under NBR till further orders on provisional basis

S S MANN Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 31st August 1977

OFFICE ORDER

No. ES I/A4/77-78/464—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of

their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge:

- S/Shri
- 1. V. Natarajan
- 2. R. Krishnaswamy
- 3 C. V. Srinivasa Rao
- 2. Shri M. S Nagaraja, Section Officer, presently on foreign service with Karnataka Food and Civil Supplies Corporation, Bangalore, is accorded proforma promotion with effect from the date of his junior taking charge, as Accounts Officer in this office.

M. A. SOUNDARARAJAN Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL GUJARAT

Ahmedabad, the 23rd September 1977

No. Estt (A)/GO/2506—The Accountant General, Guja-1at Ahmedabad 13 pleased to appoint S/Shi1 M R. Gopal Rao and K. S. Shah permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General . Gujarat Ahmedabad with effect from 3.9.77 FN and 17 9 77 FN respectively until further orders

> K. P. LAKSHMANA RAO Dy. Accountant General (Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 24th September 1977

No 18402/AN-II -- On his selection for appointment to the Indian Administrative Service, Shri Gurunurkar Sudhir, Probationer in the Indian Defence Accounts Service has been struck off the strength of the Department with effect from 11th July, 1977 (AN)

V. S. BHIR Addl. Controller Genl. of Def Accounts (Admin)

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 26th September 1977

No. Est I-2(305).—Shri J. N. Mukherjee, Deputy Director (P&D) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Calcutta, retired from service wef, afternoon of the 31st August, 1977 on attaining the age of superannuation

M. C. SUBARNA Addl. Textile Commissioner

Bombay-20, the 20th September 1977

No EST I-2(684) — The Addl Textile Commissionel is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 2nd June, 1977, and until further order, Smt. U. G. Mudbhatkal, Enforcement Inspector (Non-Technical), in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Enforcement Officer, Grade II in the same office.

J. C. HANSDAK Dy. Director

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALF INDUSTRIES

New Delhi, the 5th August 1977

No 12/540/66-Admn (G)—The President is pleased to appoint Shri C C. Roy as Assistant Director (Gr. 1) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 21st July, 1977 until further orders.

2. Consequently, Shii C C Roy relinquished charge of the post of Assistant Director (Gi II) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, on the forenoon of 21st July, 1977 and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) on the forenoon of 21st July, 1977 in the same Office.

V. VENKATRAYULU Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 23rd September 1977

No A-1/1(1103)/77—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri G. Nandiga, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection (Mct), Jamshedpur to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the foremon of the 12th September, 1977 and until further orders

The 24th September 1977

No A-1/1(1058)—On the recommendations of the UPSC, the Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th September, 1977 and until further orders '---

- (1) Shri M I. R Ramakiishnan
- (2) Shri S Chattopadhyay
- (3) Shri D K. Tyagi.
- (4) Shri K. Hannumanthappa
- (5) Shri D S N. Murthy.
- (6) Shri S Ganapathy
- (7) Shri R B. Yadav

MIRAT SINGH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEFI. AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th September 1977

No A-19011(132)/72-Estt.A —The President is pleased to appoint Shi U. k. Jha, lumor Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to officiate as Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 27th August, 1977, until further orders

The 22nd Scptember 1977

No A-19011(211)/76-Estt A.—The Picsident is pleased to appoint Shri J Somaiah to the post of Assistant Controller of Mines to officiate as Superintending Mineral Economist in capacity with effect from the forenoon of 30th August, 1977 until further orders

The 23rd September 1977

No A-19011(32)/70-Fstt A—The President is pleased to appoint Di A M Hussain, Mineral Economist, Indian Bureau of Mines to officiate as Superintending Mineral Economist in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000/- in the Indian Bureau of Mines we f the afternoon of 27th August, 1977, until turther orders.

No A-19011/33/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Sinha, Mineral Economist, Indian Bureau of Mines to officiate as Superintending Mineral Economist in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f the forenoon of 29th August, 1977 until further orders

I. C RANDHIR Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 21st September 1977

No C-5275/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts) Survey of India in the scale of pay of R, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each —

Name and Designation	Unit/Office	With effect	Remarks
1. Shri K. M. Ananthanarayanan, Druftsman Div I Sel. Grade	No 4 Drawing Office (SC), Bangalore,	29th June 1977 (FN)	Appointed to officiate on ad hoc basis we f 9-6-77 vide this office Notification No C-5252/707 dated 18th July 1977.
2. Shri Khusul Muni Kukreti, Survey Assistant Sel Grade	Western Circle Office, Jaipur,	19th July 1977 (FN)	
3 Shai Pan Singh Bist, Draftman Div I Sol Grade.	No. 9 Drawing Office (NWC), Chandigarh.	9th August 1977 (FN).	

K L KHOSLA Major General, Surveyor General of India (Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA New Delhi-1, the 17th September 1977

No F 15-3/75-A.1.—In supersession of this Department order No F 15-3/75-A 1 dated 20.11.76, Shii Kabii Kausar, permanent Asstt Archivist Gr. I (Oriental Records) and offig as Archivist (Oriental Records) on ad hoc basis is appointed to the post of Archivist (Oriental Records) on regular temporary basis wef 21-10-76, until further orders

The 23rd September 1977

No. 11-12/77-A I — Shi I J P Bhattacherya, Foreman Mechanic is appointed to officiate as Assistant Engineer (Class II Gazetted) on purely ad hoc basis with effect from 12 September 1977 (F.N.) and until further orders. This ad hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion for the next higher grade

Sd./- ILLEGIBLE Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st September 1977

No. 2/43/60-SII—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B, K Mitter, Administrative Officer, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, News Services Division, All India Radio, New Delhi with effect from the afternoon of 5.8.77 until further orders

> S. V. SESHADRI Dy Director of Admn. for Director General

New Delhi, the 24th September 1977

No 10/83/77-SIII—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri A X Thomas to officiate as Assistant Engineer at Upgrah Doordarshan Kendra, New Delhi wef. 30.6.77

HARJIT SINGH Dy Director Administration

New Delhi-1, the 24th September 1977

No. 4/83/77-SI - The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Baldev Singh Kalsi as Programme Executive, All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 24th June, 1977 and until further orders.

No. 4(92)/77-SI - The Duector General, All India Radio hereby appoints Shri D Chandian as Programme Executive, All India Rudio Tiruchirapalli in a temporary capacity with effect from 31st August, 1977 and until further orders.

> N. K. BHARDWAJ Dy Director of Administration, for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd September 1977

No. A.12023/26/76(CHEB) Admn I — The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. D. Chandola to the post of Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of 19th August, 1977 on an ad hoc basis and until further orders

The 24th September 1977

No. A.31013/3/77(HQ)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. S. Gothoskar in a substantive capacity to the permanent post of Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the 1st November, 1976.

The 26th September 1977

No A 31013/1/77(HQ) Admn I — The President is pleased to appoint Shri C. Dabral in a substantive capacity to the permanent post of Additional Deputy Assistant Director (Library), Directorate General of Health Services with effect from the 26th May, 1977

> S. P JINDAL Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 22nd September 1977

No 9-40/75-CGHS I —Dr (Miss) Amar Bir relinquished the charge of the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Meerut with effect from the afternoon of 10-8-77.

> N S BHATIA Deputy Director Admn, (CGHS)

New Delhi, the 24th September 1977

A.24012/23/77-CHS-III-PH(IH) —Consequent his transfer, Dr. M. M. Chakraborty, an officer of G. D. O. Gi I of the C. H. S. relinquished charge of the post of Dy. Port Health Officer in the Port Health Organisation, Calcutte on the afternoon of 3rd August, 1977 and assumed the on the afternoon of 3rd August, 1977 and assumed the charge of the post of Airport Health Officei in the Airport Health Organisation, Dum Dum, on the afternoon of 4th August, 1977.

> O. P. BAL Dy. Director Admn (CGHS)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER. MADRAS TELEPHONES

Madras-60001, the 9th September 1977

No. AST/DE-5/XVI—The G M MTD is pleased to appoint the undermentioned AEs to officiate as DAs in local arrangement in Medres Telephone District for the periods mentioned against each.—

SI Name No.				Date of promotion to TES Gr. 'A'	Dete of reversion to parent cadre
S/Shr1					
1 R. Veidyanathan	•	•		23-5-77 F N	15-6-77 F N
2 H. S. Iyer	•			27-6-77 F N.	_
3. S. S. Viswanathan		•	•	20-6-77 F N	20-8-77 A N
4 G Subramanian	•			2-7-77 F.N	

The 24th September 1977

No AST/AE-5/XVI—The undermentioned JEs who are officiating as AEs in local arrangement in Madras Telephone District stand reverted to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each —

Sl. Name of the JE offic No. arrangement	ciati	ng as	AE in	local		Date of revertion to parent cadre
S/Shr1						
1 V Raghunathan						1 7-5-7 7 FN
2 K Surendran						24-6-77
3. V. Dandapani						AN 06-6-77
J. V. Dandapani	•	•	•	•	•	FN
4. S Arulanandam						25-5-77
						AN
5 M. Sornapalem		•	•	•		31-5-77 AN
6. B Suryanarayana						31-5-77
						AN
7. T. K. Sundaramurthy	,					30-5-77
						FN
8. K Venkataramanan	•	•	•	•	•	20-6-77 FN
9. B. S. Nagarajan		_			_	20-6-77
5. D. S. Augustan	-	-	-	-	•	FN
10. D. Thiruvatllswaren						18-6-77
						FN
11. R. Vallabhoswaradu				•	٠	07-6-77 FN
12. M. Ramachandran						18-6-77
12. M. Ramachandan		•		•		AN

No. AST/AE-5/XXIV.—The G.M. MTD is pleased to appoint the undermentione JEs to officiate as AEs in local arrangement in Madras Telephone District for the period mentioned against each —

SI Name No.	Ţ	Date of promotion to TES Group 'B'	D _d te of reversion to parent c _a dre
1 2		3	4
S/Shri 1. N.V. Varadarajulu Chotty		23-5-77 F.N.	15-6-77 F.N.
2. R. Srinivasachary .		29-6-77	

1 2				3	4
S/Shrı					
3 K Sethuganesan		•	-	27-6-77 F.N.	12-8-77 A.N.
4. S ReJagopalan				25-6-77 F N	20-8-77 A N.
5 S Viswangthan				29-6-77 F N	
6 V Subramanian		•	•	27-6-77 F N.	6-8-77 A N
7. M. S Abdul Basho	еГ	•	•	27-6-77 F.N.	_
8 S Rajagopalan	٠			22-8-77 F.N.	_
9 K. Sethuganesan			•	16-8-77 F N.	_
10. V. Subramantan				16-8-77 F N	_
11. Y. Bhanumurthy	•		•	22-8-77 F.N.	_
12 K. K Pavithran				31-8-77 F.N.	_
13 R Sampath				12-9-77 FN	_
14 K G. Sundaresan				12-9-77	
15. B. S. Ramaswamy				19 - 9-77	_

No AST/DE-5/XVI—The undermentioned Assistent Engineers who are officieting as Divisional Engineers in local arrangement in Madras Telephone District, stand reverted to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each.—

Sl. No.	Name of the AE C			es D)	E		Date of reversion to parent cadre
1. Sh	rı P. Seetharaman			•			7-7-77 FN
2. Shi	rı G. Subramanıan			•	•		25-6-77 AN
3. Sh	rı H. S. İyer .	•	•	•	•	•	30-5-77 FN
4 Sh	rı S. S. Viswanathan		•	•		•	19-6-77 AN

S. N. R. NAMBISAN Asstt. General Manager (Admn.) for General Manager

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st September 1977

No. F.4-5(2)/74-A.III.—Consequent on his selection to the post of Agricultural Marketing Economist in the Indian Grain Storage Institute, Hapur, under the Department of Food, Shri M K Biswas, Marketing Officer, Cotton Classing Centre, Surat, relinquished charge of his post under this Directorate in the afternoon of 5-9-77

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 12th September 1977

No DPS/23/4/77-Fst /23097 -- Director, Purchase Stores, Department of Atomic Energy appo Chinkurli Srikantiah Shivaramu, a temporary Atomic Energy appoints Shra Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 8-8-1977 to 23-9-1977 vice Shri B. L. Thakur, Assistant Putchase Officer appointed as Purchase

> B G KULKARNI Assistant Personnel Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO: TAPP, the 6th September 1977

No. TAPS/2/551/67.—Shri D. Narayana, SO/Engineer 'SB', was relieved of his duties in Tarapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of May 25, 1977, Consequent on acceptance of his resignation

D, V MARKALE Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the September 1977

No. A 32014/2/74-E.I.—The Director General of Observatories, New Delhi hereby appoints the undermentioned professional Assistants, as Officiating Assistant Meteorologists on regular basis with effect from 1-8-77 and until

further orders	
Sl.No. Name	Office to which posted
1. Shri R C Dube	Director (Agrimet), Pune.
2 Shri Bhawani Datt	Meteorological Centre, Srinagar under Regional Meteorological Centre, New Delhi
3 ShriS R Biswas	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
4. Shri T M. Samba- murthy	Regional Meteorological Centre, Bombay y
5 Shri S R Seshadri .	Regional Meteorological Centre, Madras
6. Shri B. Gopinath Rao	Dy. Director General of Observatorics (Climatology) Pune.
 Shri Rajender Kumar Madan 	Rogional Meteorological Centre, New Delhi.
8. Shri B. B. Roy	Meteorological Centre, Gauhati under Regional Meteorological Centre, Calcutta
9 Shri B Sankaraya	Regional Meteorological Centre, Nagpur.
10 Shri S K. Das	Regional Meteorological Centre, New Delhi
11 Shri Ashosh Ghosh∏	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
12 Shri A K Banerjee	Regional Meteorological Centre, Calcutta
13 Shri N. B Ghosh	$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$
14. Shri S. K. Basu—II	Do
15. Shri PK E Raja	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
16 Shri N. V. Parmes-	Dy. Director General of Ob-

on short term basis.

waram

They are already officiating as Assistant Meteorologist 8-286GI/77

Pinne.

servatories (Climatology),

The 21st September 1977

No E(1)06560—The Director General of Observatories hereby appoints Shii H. C. Mehra, Protessional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories vatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 89 days with effect from the forenoon of 30-9-77 to 30-11-77.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteolologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 22nd September 1977

No E(I)05826—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M L Kala, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eightynine days from 3-9-77 to 30-11-77

Shri Kala, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 24th September 1977

No E(I)07284—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. B. R. Arora, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for 29 days from 3-8-77 to 31-8-77.

Dr Arora, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi

The 27th September 1977

No. E(I)04393.—The Director General of Observatories hereby appoints Shii K. C. Subbaidh, Officiating Superinten dent, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eightynine days from 17-9-77 to 14-12-77

Shit Subbatah, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi

No E(I)05539 —The Director General of Observatories, New Delhi hereby appoints Shri I. U Hingorani, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 8-9-77 to 5-12-77

Shri Hingorani, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

> M. R. N. MANIAN Meteorologist for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th September 1977

A.32013/6/77-EI—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development to the grade of Deputy Director General of Civil Aviation on ad-hoc basis for a further period in continuation of Notification No A.32013/6/77-EI dated the 15th June, 1977 from 17-7-1977 to 6-9-1977 vice Shri A. K. Sarkar, Deputy Director General of Civil Aviation, granted leave-

> A R GOEL Director of Administration

New Delhi, the 15th September 1977

No. A.12025/5/75-EW.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appointment Shri A. Chattopadhyay, to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-40-1000-EB-1200, with effect from the 28-5-77 (F/N) and until further orders Shri A Chattopadhyay is posted at Fire Service Training Centre, Calcutta

No A 32013/8/76-EW.—The President is pleased to appoint Shri D Shanmugham, Assistant Fife Officer to the grade of Fire Officer at the Fire Service Training Centre at Calcutta with effect from the 22nd July, 1977 (1/N) and until further orders

The 22nd September 1977

No A.12025/8/75-PC—The President is pleased to appoint Shit Kanhiya Lal as a Technical officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 13-7-1977 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

V V, JOHRI Assistant Director of Administration

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 231d September 1977

No 16/262/77-Ests-I ()—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Rni Vijay Prasad as Librarian, at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 7-9-77

P. R. K. BHATNAGAR Kul Sachiv Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Madras-34, the 18th July, 1977

C. No 11/3/22/77-Estt.—The following Inspectors of M dr's Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the place specified against their names.

SI No	Name	Place where posted as Supdt. Group 'B'	Date of Joining.
	S/Shri	<u> </u>	
1 (G, Subramanււ m	Hqrs office, Modres	10-2-77
2	C E Subramamam	Madras-III Dn	10-2-77
3]	M J. Heiden	Thiruvennamelai M.O.R , Vellore Dn.	14-4-77
4 /	A.M.D'cruz	Gudiyatham (Prev) Volloro Dn	18-4-77
5 F	C.R. Gopalan Nair	Gudalur M.O R Coonoor Division	14-4-77
б. А	A K Subramaniam	Tiruchengode M O R. Salem Dn.	7-4-77
7 (3 Rangurajan	Sulur M.O R Coimbatore II Dn	30-3-77
	P. Shanmughasun- Jaram	JGudiyatham M.O R. II, Vellor¢ Dn.	14-4-77
9]	K Achutha Menon	Bhavant M.O.R Erode Division	27-6-77

I J RAO Collector of Contral Excise

DIRFCTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd September 1977

No 12/77—Shri S R Pai lately posted as Sundt, of Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Bombay, assumed charge of the post of Inspecting Officei (Customs & Central 1 xcise) Group 'B' in the West Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Bombay on 5-9-77 (Forenoon)

S. VENKATARAMAN Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 19th September 1977

No A-19012/8/77-Adm.V—The Chaumin, Central Water Commission hereby appoints Shii Gautam Nag Chowdhury, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 30th July, 1977 until further orders.

Shri Gautam Nag Chowdhury assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in Central Water Commission w.c.f the forenoon of 30-7-1977

The 22nd September 1977

No A-19012/20/77-Adm V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D N Sachdeva, Head D'man as Fxtia Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 5th September, 1977 until further orders

Shri D N Sachdeva assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in Central Water Commission wef. the forenoon of 5-9-77

The 24th September 1977

No A-19012/24/77-Adm V—Central Water Commission, hereby appoints Shri Subhash Chander Pruthi, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB —35—880 —40—1000—EB—40—1200 with effect from forenoon of 12th August, 1977 until further orders

Shri S, C Pruthi assumed charge of the post of Extra Assistant Director in the Central Water Commission, New Delhi with effect from the forenoon of 12th August, 1977.

The 26th September 1977

No A-19012/1/77-Adm V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Kumarl T S Yamuna Devi to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810a—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21-7-77 (FN)

Kumarı T S Yamuna Devi assumed charge of the post of Assistant Engineei in the Drought Area Study Circle No II, Hyderabad we'f 21-7-77 (F.N.)

J K. SAHA, Under Secy Central Water Commission

NORTHERN RAILWAY

Jodhpui, the 31st August 1977

No 13 —Shri M i., James AWM/JU has voluntary retired from Railway Service wef 6-6-77 A N $\,$

No 14—Shri R. L. Tyagi, AME/Delhi has finally retired from Railway Service wef 31-8-1977.

J. N. KOHLI General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF THE COMPANIES

ANDHRA PRADESH, 3-5-837, SULTAN MAN7IL,

HYDERABAD

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Progressive Concerns Private Limited

Hyderabad-500001, the 12th September 1977

No 407/T.(560).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of The Progressive Concerns Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

V. S RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad.

In the matter of Companies Act 1956 and of Chettinad Automotive Private Limited

Madias-6, the 23id September 1977

No DN/5874/560(3)—Notice is heicby given pursuant to sub-sec (3) of Sec 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Chettinad Automotive Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Karlkar and Sons Private Limited

Madras-600 006, the 23rd September 1977

No 1123/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Karikar and Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1986 and of M/s Shreyas Electrical Industries Private Limited

Madras-600 006, the 27th September 1977

No 5895/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Shieyas Electrical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asst Registrar of Companies Tamilnadu

Madras-600 006, the 30th December 1977

No 1297/247(4)/Liqn/76-1913 Act—Whereas The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank Ltd. (In Liqn) having its registered office at 5/3, P B Venkatamuni Chetty's Residence, Bazaar Street is being wound up,

AND WHEREAS the undersigned has teasonable cause to believe that no Liquidator is acting/the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consequitive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub section (4) of Section 247 of the Indian Companies Act VII of 1913, notice is hereby given at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank Limited (In Liqn) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sahayam Transports Private Ltd.

Madias-6, the 23rd September 1977

No. DN/4032/560(3)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-sec (3) of Sec 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sahayam Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Nellai Roadways Private Limited

Madras-600 006, the 23rd September 1977

No. 4120/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Nellai Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Khamai Transport Private Limited

Madras-600 006, the 23rd September 1977

No 4388/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Khamai Transport Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Srinivasa Cinetex Private Limited

Madras-600 006, the 23rd September 1977

No 4151/560(5)/77—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Stinivasa Cinetex Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s G D Bus Transports Private Limited

Madras-600 006, the 26th September 1977

No. 3725/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s G D. Bus Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s, K G P Transports Private Limited

Madras-600 006, the 26th September 1977

No 4615/560(5)/77.—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s K G P Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/v Insulux India Limited

Madras-600 006, the 26th September 1977

No 5033/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Insulux India Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

C ACHUTHAN Asst. Registrar of Companies Tamilnadu

In the matter of Companies Act, 1956 and of Pondleherry Quartz Private Limited

Pondicherry, the 20th September 1977

No. Co.No.117 —Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of Companies Act, 1956 that the name "Pondicherry Quartz Private Limited" has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

S R V V SATYANARAYANA Registrar of Companies Pondicherry. OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Delhi-II, New Delhi, the 22nd September 1977

INCOME-TAX

No JUR-DLI/II/77-78/24392.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-

tax, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 22-9-1977.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-II-E, New Delhi.

The 24th September 1977

F No. O&CI/Pub/DII/B/73-74/8403—In pursuance of Sub-section (1) of the Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Dopartment of Revenue and Insurance) order dated 9.6.69 the Commissioner of Income-tax Delhi II. New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby published names and particulars of assessees on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1973-74.

SI No. PAC.N.	Name and Address	Status	Asstt. Yr	Amount of penalty.
1 2	3	4	5	6
1. 22-000-CT-0365 DLI/Co Cir IV	Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd. N-75, Con Place, New Delhi.	Ltd. Co.	1969-70	6,345
2. 22-000-CT-0400 DLI/Co Cir-IV	Luck Auto Ancillary (P) Ltd , Akashdeep Barakhamba Road, New Delhi.	Pvt. Ltd. Co.	1967-68	5,998
3 22-000 _s CX-1392 DLI/Co. Cir-JX	Gisco (P) Ltd., Victoria Park, Meerut (UP)	Pvt, Ltd. Co	1969-70	9,535

F. No. O & C.I /Pub/D-II/C/74-75/8459—In pursuance of sub-section(1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Depitment of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the Commissioner of Income-tax, Delhi-II New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assessees who are in default of the tax of Rs. 25,000 or more as on the last day of the Financial year 1974-75 i.e as on 31-3-1975

S.N	o Name and address of the assessee	An	ount in default	
		Person in de- fault for period oxceeding 9 months but not exceeding 1 Yr and 3 months	Person in default for period of 1 Yr 3 months and above but not exceeding 2 Yrs & 3 months	fault for period of 2 Yrs & 3 months and above
_		Part-I	Part-II	
	1 2	3	4	5
1.	M/s Ahuja Bhoys (P) Ltd. 16/8, West Patel Nagar, New Delhi.	. –	_	75,214
2.	M/s Baisakha Singh & Co. (P) Ltd., 5, Jantar Mantar Road, New Delhi	_	_	3,63,913
3	Darshan Singh 11-A/31, WEA, New Delhi.		59,250	
4.	Delux International (P) Ltd. 35/27-28, West Patel Nagar, New Delhi.	_	50,465	_
5.	Sh. Gurdip Singh, 5/1, WEA, Karol Bagh, New Delhi.	, –	_	76,361
6	Smt. Harmohinder Kaur, 11/10, Pusa Road, N Delhi.	. –	_	53,000
7.	Sh. Mokham Singh, C/o M/s Chandok & Guliani, C A, 5A/10, Ansari Road, Delhi-6	-	_	1,67,156
8.	Northern India Land & Finance (P) Ltd., Model Basti, Delhi		_	1,57,652
9	Late Sh. Prem Nath, Through L/H 8, Schindia House, N. Deihi	. –		16,48,000
10.	M/s. Ram Singh Sardar Singh Financiers (P) Ltd, 3A/3, Asaf Ali Road, New Delhi			3,41,528
11.	Rehance Chit Fund (P) Ltd., D-1, Rana P. Bagh, Delhi	_	_	29,874
12.	M/s. Saraswatı Inds. (P) Ltd. G.T. Road, Shahadara, Dellu.	. –	_	48,715
13.	M/s. Supreme Finance (P) Ltd , Karol Bagh, New Delhi		_	51,533
14.	M/s. Sangam Finance (P) Ltd., 178-C, Sadar Bazar, Meerut Cantt., Meerut (U.P.)	87,586	_	_

Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi

FORM ITNS-

(1) The Kamini Tea Company (P) Ltd, P-241 Lake Road, Calcutta-29.

(2) M/s Raffiullah Tea and Industries, New Market:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dibrugath (Assam)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 30th September 1977

Ref. No A-137TBR/77-78/613-14,—Whereas, I, SHRI P. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. Khaitan No 2, Touji No 3, situated at Village Maijonga, District Goalpara, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goalpara on 24-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

'Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 3029 bigha, 1 Katha and 12 lessa including plantation and buildings of the tea estate known as Maijonga Tea Estates situated at Village Maijonga, District Goalpara.

P. K. SARMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong

Date 30-9-1977.

Scal:

FORM ITNS----

 Smt. Kamla Devi w/o Late Sh Badr, Prasad, r/o F-6/8 Krishan Nagar, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Subzkali w/o Sh. Balwant Singh 4542, Kucha Bibi Gohar, Charkewalan, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II 4/14A, Asaf Alt Road, New Delhi-1(110001)

New Delhi, the 26th September 1977

Rel No IAC, ACQ,II/1280/77-78.—Whereas I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No. F-6/8 situated at Frishan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq yds bearing plot No 8 Block F-6, Property No 307 situated at Krishan Nagar, Illaqa Shahadara, Delhi & bounded as under :—

North South House No. F-6/9
East Road
West House No. F-5/8

A L. SUD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date 26-9-1977. Scal:

FORM ITNS -

(1) Shri Satpal son of Sh. Sewa Ram 1/o 2/38 Jheel Kuranja, Gita Colony, Delhi-31

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

4/14A, Asaf Alı Road, New Delhi-1(110001)

New Delhi, the 26th September 1977

Ref No TAC/Acq II/1279/77-78 —Whereas I, A L. SUD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and

bearing

No 2/38 situated at Jheel Kuranja, Gita Colony, Delhi-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

(2) Shanti Saroop 5, o Sh. Thakur Dass r/o 2/38 Jheel Kuranja, Gita Colony, Delhi-31

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXITANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2! stoned building constructed on a plot of land measuring 100 sq vds bearing Qr. No. 2/38 (Block No. 2 Qr. No. 38) situated at Jheel Kutanja, Gita Colony, Delhi 31 and bounded as under

North Road South Road

Qis. No. 2/39 Qi No. 2/37 East

West

A J SUD, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range/II, Delhi/New Delhi

Date 26th September 1977

Seal .

FORM ITNS----

(1) Shrimati Santilata Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiwa Kumar Agarwal and Bijoy Kumai Agarwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 23rd September 1977

Rcf. No AC-10/Acq R-IV/Cal/77-78 —Whereas, I, A N BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 231, situated at CIT Scheme VIM, P. S Phulbagan, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sealdah on 22-1-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afpresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and paicel of land measuring 6 cottahs 8 chittaks 18 sft, being plot No 231 situated at CIT scheme No. VIM, P S Phulbagan, Calcutta

A N BHATTACHARYYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Date 23.9.1977 Scal . at Howrah on 20 1 1977

FORM ITNS-

(1) Shri Bijoy Krishna Das.

(Transferor)

(2) M/s Bengal Iton Corporation.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th September 1977

Ref. No AC-11/Acq.R-IV/Cal/77-78 -Whereas, I. A. N. BHATTACHARYYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Mouza Belgachia, Kismat situated at P.S. Lilooah, Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 9-286GI/77

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of all those piece and parcel of land measuring 9 Bighas 13 cottahs 8 chittaks a little more of less situated in Mouza Belgachia Kismat PS Lilooah, Dist Howrah, more particular as per deed No 229 dated 20-1-1977

> A. N. BHATTACHARYYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 26th September 1977

FORM ITNS-

(1) Shri Ratan Chandia Das.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Bengal Iron Corporation

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CΛLCUTTA

Calcutta, the 26th September 1977

Ref No. AC-12/Acq R-IV/Cal/77-78 —Whereas, I, A N BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Mouza Belgachia, Kismat situated at PS. Lilooah, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howish on 2011977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of, the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of all those piece and parcel of land measuring 9 Bighas 13 cottahs 8 chittaks a little more or less situated in Mouza Belgachia Kismat P.S. Lilooah, Dist Howiah, more particular as per deed No 230 dated 20-1-1977

A N BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date 26th September 1977 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 26th September 1977

Ref No AC-13/Acq R-IV/Cal/77-78 —Whereas, I, A N ΒΗΑΤΤΛCΗΛRΥΥΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No Mouza Belgachia, Kismat situated at PS, Lilooah, Howrah.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Howrah on 22 1 77

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Mahadeb Ch Das 2 Pasupati Das, 3. Asit Kr Das, 4 Kinkai Das 5 Tara Ram Hazra 6 Uma Koley, 7 Sandhya Mondal, 8 Gayatri Chowdburi 9, Arati Karar 10, Ashoke Kr Das, 11 Alok Kr, Das 12, Lilly Das 13 Mala Das 14, Gora Chand Das, 15 Kalyant Das, 16 Nepal Santra, 17 Kaushik Santra 18 Mua Das 19 Partha Das 20 Pijush Das 21 Trishna Das 22 Tamasha Das 23 Tandra Das.

(Transferor)

(2) M/s Bengal Iron Corporation,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of all those piece and parcel of land measuring 9 Bighas 13 cottahs 8 chitties a little more or less situated in Mouza Belgachia Kismat PS Lilooah, Dist Howrah, more particular as per deed No 230 dated 20-1-1977.

A N BHATTACHARYYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Date 26th September 1977

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shii Anil Kr Das, 2 Sachindra Nath Das, 3 Smt. Jogamaya Das, 4 Sila Das 5. Anima Das, 6 Gita Das, 7 Hasi Das.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Bengal Iron Corporation

(Tranfcree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 26th September 1977

Ref No AC-14/Acq R-IV/Cal/77-78—Whereas, I, A N BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Mouza Belgachia, Kismat situated at P. S Lilooah, Howigh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Howrah on 22 1 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of all those piece and parcel of land measuring 9 Bighas 13 cottahs 8 chittaks a little more or less situated in Mouza Belgachia Kismat P S Lilooah, Dist. Howrah, more particularly as per deed No 256 dated 22 1.77.

A N BHATTACHARYYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date · 26th September 1977

FORM ITNS

(1) Sabitri Bala Dasi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ms Bengal Iron Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE IV
CALCUTTA
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
Calcutta, the 26th September 1977

Ref No AC-15/Acq.R-IV/Cal/77-78—Whereas, I, A N. BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Mouza Belgachia Kismat, situated at P S Lilooah, Howrah

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Howrah on 22,1,77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of all those piece and parcel of land measuring 9 bighas 13 cottahs 8 chittaks a little more or less situated in Mouza Belgachia Kismat, P. S. Lilooha, Dist: Howrah more particularly as per deed No 257 dated 22 1.77.

A N BHATTACHARYYA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date 26th September 1977

FORM ITNS-

(1) Ramendra Nath Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameswarlal Bharalawala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 30th September 1977

Rcf No 51/77-78/IAS(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A N. MISRA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have meason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 2498, situated at Mauza-Town Bisinabar (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist Sub-Registrat, Cuttack on 16-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market, value, of the aforesaid property and I

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Town Bisinabar, Khata No 916/1 and Touzi No 2498 in the Dist of Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No 2148 dated 16-4-77

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date · 30-9-77

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Char Yammulham Cahac

(Transferor)

(2) Shri Laxmidhar Sahoo

(1) Shri Bhikari Charan Saboo

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 3th September 1977

Ref No 52/77-78/1AC(A/R)/BBSR—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No 31/7 situated at Bapujinagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 1-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building situated over Plot No. 31/7, Unit-I, Bapujinagar, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 1906 dated 1-3-77

A N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date . 3-9-77

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4690

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 21st September 1977

No. 190/77-78/Acq —Whereas, J. D. C RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S No. 32, Plot No 15, situated at Edwardpeth, Hospet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hospet under Document No. 866 on 3-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr Sampath Loganadan, (2) Shri Sukumar Loganadan, (3) Dr. Lalitha Kumar W.o S A Kumai, (4) Mrs. Menaka Kumar W/o P C Kumar, (5) Mrs. Comala Gopinath W/o C D Gopinath, 5-Edward Road, Civil Station, Bangalore

(Transferee)

(2) Shri H Abdulwahab S/o. H Husenpeer, Mine Owner, Jayaprakashnagai, Hospet.

(Transferoi)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Plot No 15 in Survey No 32, Ward No IV, Measuring 1422 S. yds, situated at Patel Nagar Town planning Extension in Edwardpeth, Hospet

D C RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date 21-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 21st September 1977

No. 191/77-78/Acq.—Whereas, I, D C RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

M. No 1307/1365/2705 situated at Tilaknagar, Shimoga, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga, under Document No 1803 on 10-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore •by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

10-286GI/77

(1) (1) Smt. S. Subhadramma W/o Y V. Shrinivasa-murthy, (2) Miss S Padmaja D/o Y V Shrinivasa-murthy, (3) Miss, S Rama, D/o, Y V Shrinivasa-murthy, (4) Master S. Balasubramanya S/o Y V Stinivasamurthy, 961, Hosalli Extension, Bangalore, now at Udipi (SK)

(Transferor)

(2) (1) Shri S M. Mallikarjunaiah Lecturer, Jr College, Arsikere
 (2) Smt. Annapurna Aliabs Aparna W/o Mallikarjunaiah, Arsikere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R C. C. Building with asbestos sheet roofing situated at Tilaknagar, Shimoga bearing Municipal No. 1307/1365/2705. The site No. 103 Measuring 2400 s. ft.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date 21-9-1977

FORM ITNS -----

(1) Smt Parkash Wati R/o R-37, New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1 Smt. Chander Kunta Kapur,
 2 Sh Vuender Kumar Kapur,
 R/o 781, Sector 22-A, Chandigarh

(Transfereer)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

Ref No CHD/91/76-77.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 96-P with House No 743, Sector 22-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 96—P with House No 743, Street 'A', Sector 22-A Chandigarh, built over it (R. P 5524). Area 334.3 Sq yards with covered area 1773 4 sq ft

(Property as mentioned in Registration Deed No 1754 of March, 1977 of Registering Authority, Chandigarh)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date , 29-9-1977 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAL

Rohtak, the 29th September 1977

Ref No CHD/92/76-77—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of house No. 99, Sector 8-A, Chandigath at Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1977

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

 Smt. Gurdip Kaur W/o Maj Gen. Mohinder Singh (Rtd) R/o House No. 305, Sector 33-A, Chandigath

(Transferor)

(2) Lt. Gen. Sartaj Singh S/o Capt Faujdar Singh, R/o House No 80, Sector 5, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of House No. 99, Sector 8-A, Chandigarh

"Property as mentioned in Registration Deed No 1757 registered in the office of the Registering Authority Chandigarh in March, 1977".

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date · 29-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

Ref. No CHD/93/76-77—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/ and bearing No. 85. Sector 28-A. Chandigarh

85, Sector 28-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar S/o Shri Janki Dass House No. 85, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (1) Mrs Shaida Rani Aggarwal, W/o Shri Surindei Kumar Aggarwal
 - (11) Mrs Naresh Bala W/o Sh Virendei Kumar Aggarwal, R/o House No. 85, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of Residential House (21 storeyed) bearing No 85, Sector 28-A, Chandigarh. The area of the plot is 293 33 Sq yds

(Property as mentioned in Registration Deed No 1781 of March, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 29-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Robtak, the 29th September 1977

Ref No CHD/94/76-77—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No 1469, Sector 22-B, Chandigarh situated at Chandigaih

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chandigarh in March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Manohar Lal S/o Sh Ishwar Dass, R/o House No 85, Raghunathpura, Jammu
 - (ii) Shii Sham Lal S/o Sh Ishwar Dass, C/o Bata Shoc Co, Neai Raghunath Temple, Jammu,

(Transferor)

- (2) (1) Shri Gudhari Lal Thukral S/o Shri Chanda Mal
 - (n) Shri Raj Pal, Sh Yash Pal SS/o Shri Gudhari Lal, All residents of . House No 1469, Sector 22-B, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oilicial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 1469, Sector 22-B, Chandigarh The property consists of 21 Storey Residential House Total area attached to strutcure is 1829 Sq Yards Property is situated at street '1.' of Sector 22-B, Chandigarh

(Property as mentioned in Registration Deed registered at SI No. 1784 of March, 1977 of the Registering Authority Chandigarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 29-9-1977 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

No. CHD/95/76-77 - Wheteas I, RAVINDER Ref KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot with Annexe No 60, Sector 28-A, Chandigarh

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this hotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh Gobind Ram S/o Sh. Sant Ram, R/o Bhui Distt Kuch (Gularat) through his General Attorney Shri Sardara Singh S/o Sh Gobind Ram, R/o Bhuj, Distt Kuch (Gujarat).

(Transferor)

(2) Mrs. Loveleen W/o Dr Sangat Singh, through her General Attorney, Sh Pritam Singh S/o Sh Basant Singh, R/o House No. 1075, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 60, Sector 28-A, Chandigarh. The building consists of an Annexe portion only. The area of the plot is 1000-31 sq yards with compound wall.

"Property as mentioned in Registration Deed No 1791 of Match, 1977 of Registering Authority, Chandigarh

> RAVINDER KUMAR PATIIANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Robbak

Date . 29-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

Ref No CHD/16/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half portion of House No 63, Sector 9-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Teja Singh S/oSh Attar Singh,H No. 1566, Sector 36,Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1 Sh Harbans Singh Bajaj S/o Sh Sunder Singh,

2. Sh Harmder Pal Singh,

3 Sh Mohindet Pal Singh, Minor sons of Sh. Harbans Singh Bajaj R/o House No 63, Sector 9-A, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Portion of House No 63, Sector 9-A, Chandigarh

(Property as mentioned in the registration deed No 134, registered in the office of the Registering Authority at Chandigarh in May, 1977.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 29-9-1977

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONFPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

Ref. No. CHD/72/76-77 -- Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No situated at Chandigath 1/2 share in House No 63, Sector 9-A (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betewen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Teja Singh s/o Shri Attar Singh resident of House No 63, Sector 9-A, Chandigarh

(Transferor)

- (2) 1 Shri Haibans Singh Bajaj s/o Shri Sunder Singh Bajaj
 - 2. Shri Harinder Pal Singh
 - 3 Shri Mohinder Pal Singh,

Minor sons of Shri Harbans Singh Bajaj Residents of House No. 63, Sector 9-A, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of House No 63, Sector 9-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registration Deed No. 750 of January, 1977 of Registering Authority, Chandigarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 29-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th September 1977

Ref No BGR(DLI)/20/76-77 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No Factory Building

situated at 15/4, Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely

11-286GI/77

- (1) M/s Globe Financiers (P) Ltd, 16, Mahatma Gandhi Marg, IP. Estate, New Delhi (In liquidation) through
 - (1) Deputy Registrar, High Court, Delhi
 - (11) Sh S C Mittal S/o Sh Kailash Chand. R/o F-2597, Netaji Nagar, New Delhi. (as, official Liquidator Delhi High Court)

(Transferor)

(2) M/s Bharat Foam Udyog (P) Ltd, 1646/47, S.P. Mukerjee Marg, Delhi-6.

(Transferce)

(3) M/s Free Wheel (India) Ltd., H-108, New Asiatic Biulding, Cannaught Place, New Delhi. (being the confirming party)

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building situated at 15/4 Mile on Delhi Mathura Road, Faudabad which is bounded by .-

North: Factory building of Rachman Ltd,

South , Factory building of Escorts Ltd ,

Fast Delhi Mathura Road

West . Land of Escorts Ltd

(Property as mentioned in Registration Deed No 111 dated 24-3-1977 of the Registering Authority, Delhi).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date · 29-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th September 1977

Rcf No IAC/ACQ/BPL/77-78/887 —Whereas I, R K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land with building

Area 39610-2375 sq mtrs S. No 1923/1/1, Ujjain (MP) situated at Ujjain

(and more fully described in the scheduc annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1977.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 The Phoenix Mills Ltd, 462, Senapati Bapat Marg, Bombay-12.

(Transferor)

(2) Indore Textiles Ltd, 50, Sitala Mata Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building Area 39610-2375 sq. mtrs. S No. 1923/1/1, Upain (MP.)

R K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 27-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 27th September 1977

Rci. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/890—Whereas I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No 11, Netaji Subhash Marg, Indore,

situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt Indumati Vaidya W/o Shri Janardhan Vaidya,
 Yogiraj Housing Society, Karve Road, Poona

(Transferor)

(2) Smt Bkratı Patidar, W/o Dr Gokul Prasadji Patidar, R/o 11, Netaji Subhash Marg, Indore

(Tiansferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11, Netaji Subhash Marg, Indorc.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date · 27-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th September 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/888 —Whereas I, R K BALI

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property at Babai Land No 22/4 with Motor Stand & Cycle Stand

situated at Babai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshangabad on 23-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shameem Ahmed S/o
 Shri Anees Ahmed,
 R/o 23, Pulbobda, Bhopal

(Transferor)

- (2) 1 Shri Shiv Prasad.
 - Shri Ramesh Prasad
 Both sons of Shri Badri Prasad,
 R/o Babai, Distt- Hoshangabad (M P.)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Babai, Land No 22/4 with Motor Stand & Cycle Stand.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 27-9-1977

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th September 1977

Ref. No $1\Lambda C/ACQ/BPL/77-78/889$ —Wherens I, R K BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land No 22/2(Part) Building No B 215, House No 56 at Babai (M P)

situated at Babai (MP.).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshangabad on 14-4-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shameem Ahmed S/o Shri Ances Ahmed R/o 23, Pulbobda, Bhopal

(Transferor)

- (2) 1 Shri Gokul Piasad S/o Shri Badri Prasad.
 - 2. Shri Hari Kumar S/o Shri Shiv Prasad, Both R/o Babai, Distt. Hoshangabad (MP)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 22/2(Part) Building No B 215, House No. 56 at Babai (MP.).

R K, BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 27-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref No LDH/C/58/76-77.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and measuring 24 kanal and four marlas,

situated at Village Ghiaspura, Tehsil Ludbiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ludhiana in February, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Gurdev Singh,
 - ii. Hardey Singh, sons of Kharaiti
 - iii Gurdial Kaur (Smt) wd/o Kharaiti, Residents of Village Ghiaspura, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Principal Officer, M/s Oswal Woollen Mills Ltd., G.T Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 24 kanal and 4 marlas, situated in Village Graspura, Tehsil Ludhiana

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2124 of the Registering Officer, Ludhiana for the month of February, 1977)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiand

Date 27-9-1977 Seal :

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref No LDH/C/59/76-77—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Land, measuring 16 kanal and 2 marlas, situated at Village Ghiaspuja, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri
 - 1. Ranjit Singh,
 - Bakhtawar Singh, sons of Des Raj, Residents of Village Ghiaspura, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Oswal Woollen Mills Ltd, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 16 kanal and 2 marlas, situated in Village Ghiaspura, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No 2125 of February, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 27-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref. No LDH/C/60/76-77—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land measuring 8 Kanal and 1 Marla, situated at Village Ghiaspura, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I udhiana in February, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shit Jagn Singh s/o Shri Des Raj, R/o village Ghiaspura, Tehsil Ludhtana

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Oswal Woollen Mills Ltd., G T. Road, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 Kanal and 1 Marla, situated in Village Ghiaspura, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2126 of the Registering Officer, Ludhiana for the month of February, 1977.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 27-9-1977

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref No. PTA/14/76-77.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

agricultural land 65 kanals and 14 marlas,

situated at Village Kalyan, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
12 -286GI/77

Shri Jiona son of Shri Churria,
 R/o Village Kalyan,
 Tehsil and District Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jangii Singh, s/o Shri Jiona, R/o Village Kalyan, Tehsil Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 65 kanals and 14 marlas, situated in Village Kalyan, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5331 of February, 1977 of the Registering Authority, Patiala.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhana

Date 27-9-1977

FORM ITNS -----

(1) Shri Jiona son of Shri Churria, R/o Village Kalyan, Tehsil and District Patrala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Amrik Singh, 8/0 Shri Jangir Singh, R/O Village Kalyan Tehsil and District Patiala.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhtana, the 27th September 1977

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref No PTL/15/76-77 -- Whereas I NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agricultural land, measuring 65 kanals and 14 marlas, situated at Village Kalyan, Tehsil Patiala, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in February, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

Agricultural land, measuring 65 kanals and 14 marlas, situated in Village Kalyan, Fehsil Patiala,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5332 of February, 1977 of the Registering Authority, Patiala)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Indhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date 27-9-1977 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhana, the 27th September 1977

Rel No PIA/16/76-77 - Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedmg Rs 25 000/- and bearing Agricultural land, measuring 65 kaupls and 14 marlas, situated at Village Kalyan, Thail Patiala, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at the Registering Office at Patiala in February 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jiona son of Shri Churria, R/o Village Kalyan, Tehsil and District Patiala

(Transferors)

(2) Shii Sarbjit Singh son of Shii Jangir Singh, R/o Village Kalyan, Tehsil and District Patiala.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 65 kanals and 14 mailas, situated in Village Kalyan, Tehsil Patiala

(Property as mentioned in the Registered Deed No 5333 of February, 1977 of the Registering Authority, Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 27-9-1977 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref No LDH/C/96/76-77.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kothi No 169-R, B-XVII-176/2 (Area 405 sq yds)

situated at Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I udhiana in February, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Shanti Devi, wd/o Shri Bishan Sarup, through Rajan Mohindra, s/o Dr. Pran Nath Mohindra, R/o B-IV-1338, Mohalla Chowk Sudan, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kamal Kapul, w/o Shri Satinder Kapul, R/o 87-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kothi No. 169-R, Model Town (B-XVII-176/2) (Area 405 sq yds) Ludhiana

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2296 of February, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date · 27-9-1977

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 27th September 1977

Ref No. PTA/22/76-77.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 56 bighas, situated at Village Scona, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedulc

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in February, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

 Shri Tarlok Singh, s/o Shri Mahan Singh, R/o Village Scona, Post Office Sidhuwal, Tehsil Patuala

(Transferor)

(2) Shrimati Gurcharan Kaui, w/o Shri Dalip Singh R/o Village Bhanra, Tehsil Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 56 bighas, situated in Village Seona, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No 5553 of February, 1977 of the Registering Authority, Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date . 27-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1977

Ref No Acq/196-A/Mcerut/77-78/3293 —Whereas I, R. P BHARGAVA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Meerut on January 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bansi S/o Khawani Lodhe Rajput R/o Mauza Lajpat Rai Road, Suraj Kund, Meerut

(Transferoi)

(2) Smt Urmila Devi w/o Raj Kumai, R/o Nijojpur, Teh Bagpat, Distt Meerut and Smt Ram Dulari w/o Ved Prakash R/o Mauza Bahsuma, Teh Mawana, Meerut Present Hanswila, Suraj Kund Meerut, Shii Deewan Chand S/o Kuianmal, R/o Rajendra Nagar, Meerut,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Mawaji 18 Biswa 13 Biswansi and 10 Kachwansi Pukhta Aaraji Bhumdhari Lagat Parta Khata Minjumla Mawaji 1 Bigha 3 Biswa, 13 Biswani and 10 Kachwansi pukhta No 478-/3/- Khata No 136, situated at Mecrut, transferred for an apparent consideration of Rs 50,000/-

R P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date · 23-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shii Mahendei Singh Son of Bhag Singh, R/o Khousama, PO Ahpur, Parg. Baraut, Dist. Meerut

Disti Meerut

(1) S/Shii Malkhan Singh, Ajab Singh,

both sons of Paltu R/o Bamnauli, P.O Khas, Parg. Barnawa, Budh Singh and Mahendei Singh Sons of Bhullan Singh, R/o BURAUL, PO Khas, Parg Baiaut,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1977

Ref No 182-A/Acq/Mecrut/77-78/3294 —Whereas I. R"P BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kairana on January 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 19 Bigha 5 Biswa situated at Vill Khousama, Parg Baraut, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs 55,440/-

R P BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanput

Date 23-9-1977

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 28th September 1977

Ref. No Acq F. No. 447—Whereas J, N K NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

23-11-5 situated at Satyanarayanapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shrimati Dasari Mahankalamma, W/o
 - 2 Dasari Krishna Murty, S/o Govardhanarao Dakshinyamvari St., Satyanarayanapulam, Vijayawada-11,

(Transferor)

(2) Shrimati Rallabandi Annapurna Devi, W/o Venkata Subrahmanya Seetharamanjaneya Swamy, Hindi Pandit, Dakshinyamvari St., Door No 23 11.5, Satyanaiayanapuram, Vijayawada-11

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 497/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakınada

Date: 28-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 27th September 1977

Ref No Acq F. No 446—Whereas I, N K NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

RS 19/2 &49/1

situated at Allavaram, Amalapuram Tq

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Amalapuram on 3-2-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1 Penumatsa Ramanjaneya Venkata Jogi Raju S/o Narasimha Raju,
 - 2. Sti P. Varahala Raju, S/o P R. V. Jogiraju,
 - 3 Smt. Muntena Vijaya Laxmi, W/o Rayapa Raju, Allavaram Village, Amalapuram Taluk.

(Transferor)

Shrimati Vasatla Vecramma, W/o Sathi Raju.
 P.O Rellugadda, Amalapuram Tq

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 433/77 registered before the Sub-Registrar, Amalapuram during the fortnight ended on 15-2-1977

N K NAGARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada

Date 3-9-1977

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th September 1977

Ref No AP-1716 -- Whereas I, B S Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule site ted at Model Town, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullandut on March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid increase and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Gulab Singh s/o Sh Jiwan Singh House No 238 NG Mohalla Islamabad, Jullundur

(Transferor)

(2) Shri Lt Com I N (Retd) Gurnam Singh Rajwa 8/0 Sh. Phuman Singh Bajwa, 582-Model Town, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr No 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 Whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as menuoned in the Registration Sale deed No 6720 of March, 1977 of the Registering Authority, Jullandin

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 27-9-1977 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

fullundur the 27th September 1977

Ref. No. AP-1717—Whereas, I., B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961)—(hereinafter referred to as the said Act) have mason to believe that the immos-No. able property having a time market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No.

As proschember

Dilkhusha Market Juliundur

(and more fully doubled in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Influedur on February 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Swaran Singh Johal s/o Shii Labh Singh of Jullundur.

(Transferor)

(2) Col Jaswant Singh s/o Shri Joginder Singh, 53-Defence Colony, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr No 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Shop No 5-A as mentioned in the Registration sale deed no 5809 of February, 1977 of the Registering Authority fullundur

B. S. DIMYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundin

Date 27-9-1977

Scal: